दैनिक प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित

वर्षः- 06
अंकः- 180
मुरादाबाद
(Tuesday)
20 October 2026

भारत सरकार से रजिस्टर्ड RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

सीएम योगी ने किया कन्या पूजन, कन्याओं के पांव पखारकर लिया आशीर्वाद, अपने हाथों से परोसा भोजन

सीएम योगी बोले- बेटी के जन्म से पढ़ाई तक सरकार दे रही आर्थिक सहायता, विवाह के लिए भी मिलती है मदद

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से स्नेह और आशीर्वाद पाने के लिए नन्हीं बालिकाओं और बटुकों में उत्साह दिखा। मुख्यमंत्री ने एक-एक कर कन्याओं और बटुक भैरव का पूजन किया। दक्षिणा और उपहार मिलने पर बालिकाएं प्रसन्न नजर आईं।शारदीय नवरात्र की महानवमी पर सोमवार को मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में कन्या पूजन किया। उन्होंने नौ दुर्गा स्वरूपा कुंवारी कन्याओं के पांव पखारे और विधि-विधान से पूजन कर आरती उतारी। इसके बाद कन्याओं को चुनरी ओढ़ाकर दक्षिणा और उपहार दिए तथा उनका आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री ने कन्याओं और बटुकों को अपने हाथों से भोजन भी परोसा।गोरखनाथ मंदिर के अन्न क्षेत्र के प्रथम तल स्थित भोजन कक्ष में कन्या पूजन का अनुष्ठान वैदिक मंत्रोच्चार के बीच संपन्न हुआ। मुख्यमंत्री ने पीतल के परात में जल लेकर नौ कन्याओं के बारी-बारी से पांव धोए। इसके बाद उनके माथे पर रोली, चंदन, दही और अक्षत का तिलक लगाया। पुष्प और शक्तिपीठ की वेदी पर उगाए गए जौ के ज्वारे से पूजन किया। माला पहनाकर और चुनरी ओढ़ाकर कन्याओं को उपहार व दक्षिणा प्रदान की।कन्याओं और बटुकों को अपने हाथों से परोसा भोजन

पूजन के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंदिर की रसोई में तैयार भोजन प्रसाद कन्याओं और बटुकों को अपने हाथों से परोसा। इस दौरान उन्होंने बच्चों से आत्मीय संवाद भी किया। वह इस बात का ध्यान रखते रहे कि किसी भी बच्चे की थाली में प्रसाद की कमी न रहे। इसके लिए उन्होंने मंदिर की व्यवस्था से जुड़े लोगों को आवश्यक निर्देश भी दिए।

नौ कन्याओं के अलावा मंदिर में पहुंची अन्य बालिकाओं और बटुकों का भी मुख्यमंत्री ने पूजन किया और आरती उतारी। अन्न क्षेत्र के प्रथम तल के साथ भूतल पर भी कन्या भोज की व्यवस्था की गई थी। सभी कन्याओं और बटुकों को श्रद्धापूर्वक भोजन कराने के बाद उपहार और दक्षिणा दी गई।कन्याओं और बटुकों में दिखा उत्साह- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से स्नेह और आशीर्वाद पाने के लिए नन्हीं बालिकाओं और बटुकों में उत्साह दिखा। मुख्यमंत्री ने एक-एक कर कन्याओं और बटुक भैरव का पूजन किया। दक्षिणा और उपहार मिलने पर बालिकाएं प्रसन्न नजर आईं। भोजन परोसते समय भी मुख्यमंत्री बच्चों से बातचीत करते रहे और उनकी सुविधाओं का ध्यान रखा।

मां सिद्धिदात्री की भी की आराधना- कन्या पूजन से पहले सोमवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर के शक्तिपीठ में मां सिद्धिदात्री की विधि-विधान से आराधना की। कन्या पूजन के दौरान गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, कालीबाड़ी के महंत रविंद्रदास सहित कई साधु-संत उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने और रोजगार व सेवाओं में उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से प्रोत्साहित किया जा रहा है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को शारदीय नवरात्र की महानवमी पर गोरखनाथ मंदिर में कन्या पूजन के बाद महिलाओं और बेटियों के लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार बेटी के जन्म से लेकर उसकी पढ़ाई तक आर्थिक सहायता उपलब्ध करा रही है। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के तहत विभिन्न चरणों में 25 हजार रुपये की मदद दी जाती है, जबकि बेटी के विवाह के लिए एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता का प्रावधान है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना का उद्देश्य बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच को बढ़ावा देना और उनके भविष्य को बेहतर बनाने में परिवारों की मदद करना है। योजना के तहत बेटी के जन्म से लेकर उसकी शिक्षा के अलग-अलग चरणों में परिवार को आर्थिक सहायता दी जाती है। उन्होंने बताया कि विवाह योग्य होने पर बेटी की शादी के लिए भी सरकार की ओर से सहायता उपलब्ध कराई जाती है।प्रदेश में 45 हजार महिला पुलिसकर्मी कर रहीं काम

मुख्यमंत्री ने महिला सुरक्षा के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी का जिक्र करते हुए कहा कि वर्ष 2017 तक प्रदेश में महिला पुलिसकर्मियों की संख्या करीब 10 हजार थी, जबकि वर्तमान में 45 हजार महिला पुलिसकर्मी सेवाएं दे रही हैं। उन्होंने कहा कि महिला पुलिसकर्मी प्रदेश में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने और बेहतर माहौल तैयार करने में योगदान दे रही हैं।

गांव-गांव में सेवाएं दे रहीं 54 हजार बैंकिंग सखी- योगी आदित्यनाथ ने ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की भूमिका पर चर्चा करते हुए बताया कि प्रदेश में 54 हजार बैंकिंग सखी गांव-गांव तक बैंकिंग सेवाएं पहुंचा रही हैं। इनके माध्यम से ग्रामीणों को बैंक से जुड़ी सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए सरकार प्रयास कर रही है। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने और रोजगार व सेवाओं में उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से प्रोत्साहित किया जा रहा है।

सीएम ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा कि सभी सिद्धियों, सुख-समृद्धि और मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाली मां सिद्धिदात्री के आशीर्वाद से उत्तर प्रदेश की नारीशक्ति अपने सामर्थ्य, संकल्प और आत्मविश्वास के बल पर प्रदेश की प्रगति एवं समृद्धि में निर्णायक भूमिका निभा रही है। मुख्यमंत्री ने मातृ शक्ति की महत्ता भी बताई, कहा- यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता:। अर्थात जहां नारी का सम्मान होता है, वहीं देवता का वास होता है। सुख, समृद्धि और कल्याण होता है।

2017 से पहले दंगों की आग में झुलस रहा था प्रदेश-मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती सरकार के कारनामों को भी उजागर किया, कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश के उपद्रव ग्रस्त माहौल ने विकास पर ग्रहण लगा रखा था। अराजकता चरम पर थी। गुंडे, माफिया और उपद्रवी समानांतर सरकार चला रहे थे। प्रदेश दंगों की आग में झुलस रहा था। पर्व-त्योहारों से पहले उपद्रव शुरू हो जाते थे। अभिभावक अपनी बेटियों के सुरक्षित भविष्य के लिए उन्हें दूसरे राज्यों में भेजने को मजबूर थे।

2017 के बाद विकास की तस्वीर भी दिखाई-मुख्यमंत्री ने 2017 के बाद आए विकास की तस्वीर भी साझा की। कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में प्रदेश की डबल इंजन सरकार ने अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई। %रूल ऑफ लॉ% की स्थापना के साथ प्रदेश को उपद्रव से निकालकर उत्सव प्रदेश के रूप में स्थापित किया। विगत साढ़े 9 वर्षों में प्रदेश की डबल इंजन सरकार द्वारा नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन की दिशा में किए गए प्रयासों ने प्रदेश को बीमारू राज्य की छवि से निकालकर देश की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

रेवेन्यू सरप्लस स्टेट बना है उत्तर प्रदेश- मुख्यमंत्री ने बताया कि विगत साढ़े 9 वर्षों में प्रदेश की जीएसडीपी, पर-कैपिटा इनकम, बजट और महिला श्रम बल भागीदारी 3 गुना हुई है। प्रदेश लगातार रेवेन्यू सरप्लस बना हुआ है।

प्रदेश को ?50 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। बड़े कारखानों की संख्या ढाई गुना बढ़कर 14 हजार से 35 हजार हुई है। निवेश के माध्यम से 65 लाख से अधिक युवाओं को रोजगार प्राप्त हुआ है। डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के माध्यम से भारत को रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में उत्तर प्रदेश महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

पर्दे के पीछे के आकाओं को भी नहीं छोड़ेंगे: टाइगर श्रॉफ फायरिंग मामले पर बोले सीएम फडणवीस

टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग की घटना के बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मुंबई पुलिस को जांच में कुछ सुराग मिले हैं और कुछ संदिग्धों की पहचान कर ली गई है। मुख्यमंत्री के अनुसार, कुछ आरोपी महाराष्ट्र से बाहर और कुछ देश से बाहर रहकर काम कर रहे हैं। उन्हें पकड़ने के लिए दूसरे राज्यों और केंद्र सरकार की मदद ली जाएगी।बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग की घटना को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गंभीर और निंदनीय बताया है। सीएम फडणवीस ने कहा कि मुंबई पुलिस मामले को गंभीरता से ले रही है और उसे कुछ अहम सुराग मिले हैं। उन्होंने कहा,इनके आधार पर जांच की जा रही है। कुछ संदिग्धों की पहचान भी कर ली गई है और उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस उन आकाओं तक भी पहुंचेगी, जो पर्दे के पीछे रहकर साजिश रच रहे हैं और दूर बैठकर निर्देश दे रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र के भीतर सक्रिय आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि बाकी आरोपी राज्य के बाहर या देश से बाहर रहकर काम कर रहे हैं।देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र के बाहर सक्रिय आरोपियों को पकड़ने के लिए संबंधित राज्यों के साथ समन्वय किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विदेश में मौजूद लोगों के खिलाफ कार्रवाई के लिए केंद्र सरकार की मदद ली जाएगी। उन्होंने कहा,मैं फिर दोहराना चाहता हूं कि ये कायर लोग हैं। वे छिपकर हमला करने की कोशिश करते हैं, लेकिन उनकी कोशिशों को नाकाम कर दिया जाएगा। टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग की घटना के बाद जब बॉलीवुड कलाकारों की सुरक्षा की समीक्षा किए जाने के बारे में पूछा गया, तो मुख्यमंत्री ने कहा कि मामले से जुड़े सभी पहलुओं का विश्लेषण किया जाएगा और जरूरत के मुताबिक कदम उठाए जाएंगे।

अखिलेश यादव का नया प्लान, 26 नवंबर को जारी करेंगे सपा का घोषणापत्र, नाम दिया 'पीडीए का प्रणपत्र'

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने 26 नवंबर 2026 को संविधान दिवस पर पार्टी का घोषणापत्र जारी करने का ऐलान किया है। इसे 'सत्ताइस का संकल्प = पीडीए का प्रणपत्र' नाम दिया गया है। पार्टी पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्गों पर केंद्रित अपनी राजनीति को आगे बढ़ाने की तैयारी में है।उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज होने लगी है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने संविधान दिवस यानी 26 नवंबर 2026 को पार्टी का घोषणापत्र जारी करने का ऐलान किया है। उन्होंने इसे 'सत्ताइस का संकल्प = पीडीए का प्रणपत्र' नाम दिया है। अखिलेश यादव के मुताबिक, इस दिन 'जन-मन का मैनिफेस्टो' जारी किया जाएगा। अखिलेश यादव ने सोमवार सुबह अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा, 卐सत्ताइस का संकल्प = पीडीए का प्रणपत्र। संविधान दिवस 26 नवंबर 2026 के लोकतांत्रिक पावन अवसर पर हम जारी करेंगे 'जन-मन का मैनिफेस्टो'।卐पीडीए की राजनीति पर सपा का जोर- समाजवादी पार्टी ने 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग की राजनीति पर खास जोर दिया था। लोकसभा चुनाव में पार्टी ने उत्तर प्रदेश की 80 में से 37 सीटों पर जीत दर्ज की थी। अब विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों में भी सपा इसी रणनीति को आगे बढ़ाती नजर आ रही है।पिछड़े और दलित नेताओं को जोड़ने की कोशिश- पीडीए के विस्तार के तहत समाजवादी पार्टी दूसरे दलों के पिछड़े और दलित नेताओं को भी अपने साथ जोड़ने में जुटी है। अखिलेश यादव अपनी जनसभाओं में लगातार दलितों और पिछड़ों के मुद्दे उठाते रहे हैं। उनका कहना है कि जो पीड़ित है, वह पीडीए का हिस्सा है और समाजवादी पार्टी में सभी की बात सुनी जाएगी। अखिलेश यादव भाजपा सरकार पर दलितों और पिछड़ों के साथ अत्याचार होने का आरोप लगाते रहे हैं। उनका कहना है कि प्रदेश में सपा की सरकार बनने पर इन वर्गों को सम्मान और अधिकार दिलाने के लिए काम किया जाएगा। अब 26 नवंबर को जारी होने वाले 'पीडीए के प्रणपत्र' पर राजनीतिक हलकों की नजर रहेगी।

'उनकी तकलीफें और मुश्किलें...', आजम खां के सवाल पर यह बोले औवेसी; राज्यसभा सीट बंटवारे पर अखिलेश को घेरा

ऑल इंडिया इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने एक तरफ तो सपा नेता आजम खां की रिहाई की दुआ की, उनके प्रति रुख भी नरम दिखा, वहीं समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव को विदेश से तीन लाख रुपये की चॉकलेट दिए जाने का जिक्र करते हुए सवाल किया कि मुसलमानों के हिस्से में क्या आता है। ऑल इंडिया इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने रविवार को टांडा में जनसभा के दौरान भाजपा-आरएसएस के साथ सपा पर निशाना साधा। राज्यसभा सीटों के बंटवारे से लेकर मुसलमानों की राजनीतिक हिस्सेदारी और बेरोजगारी तक के मुद्दे उठाकर उन्होंने विरोधियों को कटघरे में खड़ा करने की कोशिश की।ओवैसी ने एक तरफ तो सपा नेता आजम खां की रिहाई की दुआ की, उनके प्रति रुख भी नरम दिखा, वहीं समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव को विदेश से तीन लाख रुपये की चॉकलेट दिए जाने का जिक्र करते हुए सवाल किया कि मुसलमानों के हिस्से में क्या आता है।उन्होंने राज्यसभा सीटों के बंटवारे में अखिलेश के चाचा और उद्योगपति नाथवानी का जिक्र करते हुए सपा पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया। कहा कि उनकी पार्टी में किसी नेता के परिवार का भाजपा से संबंध होता तो अब तक राजनीतिक बवाल खड़ा हो चुका होता। सपा ने जिस नाथवानी को राज्यसभा का टिकट दिया, उनके पिता भाजपा में हैं।भाजपा और आरएसएस पर हमला बोलते हुए ओवैसी ने आरोप लगाया कि आरएसएस देश को हिंदू राष्ट्र बनाना चाहता है। प्रधानमंत्री पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि देश बड़ा है, मोदी नहीं। बेरोजगारी का मुद्दा उठाकर युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने की मांग भी की।उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी डॉ. भीमराव आंबेडकर के रास्ते पर चलने की बात करती है। ओवैसी ने हैदराबाद में सीवरेज और मेट्रो परियोजनाओं का हवाला देकर दावा किया कि मंत्री पद पर रहे बिना भी विकास कार्य आगे बढ़ाए जा सकते हैं। उन्होंने रामपुर में संगठन मजबूत करने के लिए प्रत्येक बूथ पर पांच समर्पित कार्यकर्ताओं की टीम बनाने का आह्वान किया।ओवैसी को देखने उमड़ी भीड़, पुलिस को करनी पड़ी मशक्कत- मंसब अली स्पोर्ट्स स्टेडियम में असदुद्दीन ओवैसी की जनसभा के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। ओवैसी के पहुंचने से पहले बम निरोधक दस्ते ने मंच और सभा स्थल की जांच की। बड़ी संख्या में पुलिस और सुरक्षा बल तैनात रहे। सभा में पहुंचे समर्थकों में ओवैसी को देखने और सुनने का उत्साह दिखा। करीब पहुंचने की कोशिश करते रहे। भीड़ को नियंत्रित रखने के लिए पुलिस को मशक्कत करनी पड़ी। सुरक्षा व्यवस्था के बीच जनसभा आयोजित की गई। ओवैसी की जनसभा में जुटे प्रदेश और जिला पदाधिकारी- एआईएमआईएम की जनसभा में प्रदेश और जिला संगठन के पदाधिकारियों की मौजूदगी रही। प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली, पश्चिमी प्रदेश अध्यक्ष महताब चौहान, प्रदेश मुख्य महासचिव एडवोकेट शमीम अहमद और राष्ट्रीय प्रवक्ता शादाब चौहान शामिल हुए। युवा प्रदेश अध्यक्ष एहतेशाम मंसूरी, प्रदेश महासचिव शहजाद खान और नदीम कुरैशी भी मौजूद रहे। इनके अलावा मुजीब खान (हैदराबाद), प्रदेश सचिव नाजिम अकबर खान, जकी राइनी, वकी रशीद, जुल्फीकार, जिलाध्यक्ष फरीदुज्जफर रहमानी और जिला महासचिव हाजी फुरकान अली समेत अन्य पदाधिकारियों ने जनसभा में भाग लिया।

लॉरेंस बिश्नोई को 'साहब' कहने पर घिरी दिल्ली पुलिसः दिपके ने उठाए सवाल, पूछा- गैंगस्टरों के लिए इतना सम्मान?

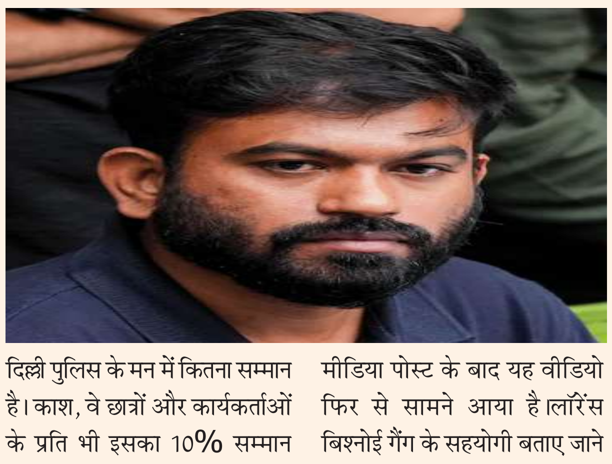

कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने दिल्ली पुलिस के डीसीपी का पुराना वीडियो शेयर कर सवाल उठाए हैं। दिपके ने कहा कि पुलिस गैंगस्टरों के प्रति सम्मान दिखाती है, लेकिन छात्रों और कार्यकर्ताओं के साथ ऐसा व्यवहार क्यों नहीं करती।कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने सोमवार को दिल्ली पुलिस के एक डीसीपी का पुराना वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में वे एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को %साहब% कहकर संबोधित कर रहे हैं। दिपके ने इस पर सवाल उठाते हुए पूछा कि पुलिस कार्यकर्ताओं और छात्रों के साथ कैसा बर्ताव करती है।

दिपके ने क्या कहा? -दिपके ने अपनी पोस्ट में लिखा, %लॉरेंस बिश्नोई साहब! गैंगस्टरों के लिए दिल्ली पुलिस के मन में कितना सम्मान है। काश, वे छात्रों और कार्यकर्ताओं के प्रति भी इसका 10% सम्मान दिखाते, जो सिर्फ विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं।

अगस्त 2025 के आखिर का यह वीडियो उस समय वायरल हो गया था, और अब रविवार को मुंबई में अभिनेता टाइगर श्रॉफ को निशाना बनाकर की गई गोलीबारी की घटना की जिम्मेदारी लेने वाले एक सोशल मीडिया पोस्ट के बाद यह वीडियो फिर से सामने आया है।लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सहयोगी बताए जाने वाले अनिल पंडित के नाम से एक संदेश सामने आया है, जिसमें दावा किया गया है कि इस गोलीबारी की जिम्मेदारी अनिल पंडित और हरमन संधू ने ली है। इस पोस्ट की सच्चाई की जांच की जा रही है।संदेश में क्या दावा किया गया? संदेश में दावा किया गया है कि अभिनेता से पहले भी संपर्क करके उन्हें चेतावनी दी गई थी, लेकिन उन्होंने इन चेतावनियों को नजरअंदाज कर दिया। इसमें मुंबई फिल्म इंडस्ट्री के लोगों को भी धमकी दी गई है कि जो लोग गैंग की मांगों को नहीं मानेंगे या अभिनेता सलमान खान के साथ काम करना जारी रखेंगे, उन्हें अगला निशाना बनाया जा सकता है। इस पोस्ट में विरोधी गिरोह के सदस्यों को दी गई धमकियां भी शामिल थीं, साथ ही इसमें लॉरेंस बिश्नोई समूह और उससे जुड़े कथित लोगों का जिक्र करने वाले हैशटैग भी थे। सुरक्षा एजेंसियां और स्थानीय पुलिस इस संदेश के स्रोत का पता लगाने और मनोरंजन जगत के सदस्यों को दी गई धमकियों की गंभीरता की जांच करने के लिए सोशल मीडिया गतिविधियों पर नजर रख रही हैं।

संपादकीय Editorial

Who will carry out 'regime change'?

'Coup' is not the language of democracy. Powers have always been ousted through public opinion, and parties or coalitions with mandates have always been in power. India is a sovereign, republican, democratic, and constitutional nation. To date, there has been no coup in India. The transfer of power in the country is completely effortless and simple. We are no longer a country ruled by a Mughal emperor. India is not Bangladesh, Nepal, or Sri Lanka, and it will never be. In these countries, a certain mob revolted, forcing Bangladesh Prime Minister Sheikh Hasina to leave the country. Bangladesh has already experienced six coups, yet new governments were established only through elections. In our country, those rioters, inspired by Bangladesh's 'radical rebellion,' are deluded and operate like puppets. They cannot even break a single straw of Indian power. Before 1977, Congress was in power in India, though it was often fragmented. After the Emergency, elections were held in 1977, and for the first time, a non-Congress government, the Janata Party, was formed, and Morarji Desai became Prime Minister. This marked a true "regime change," as the Janata Party government was non-Congress in its mindset, ideology, and methodology. Consequently, systems within the Indian government were altered at many levels. However, that political experiment ultimately proved unsuccessful. It disappointed, divided, and ultimately led to the return of the Indira Gandhi government in 1980. During the Emergency, then-Prime Minister Indira Gandhi even labeled leaders like Jayaprakash Narayan and Morarji Desai as "CIA agents." Ram Manohar Lohia and the then-Jan Sangh leaders used to chant, "Vacate the throne, the people are coming."

However, in the current context, renowned lawyer Prashant Bhushan has repeatedly stated that this is a fight for "regime change," a change of power. "We will achieve regime change under the leadership of the youth." They raised similar slogans during the Anna movement. Of course, the Aam Aadmi Party formed the government, but those like Prashant were driven out. Congress spokesperson Pawan Khera believes that a "regime change" occurred after the Emergency. It is the opposition's responsibility to bring about a change in power through elections. Claims and slogans are becoming somewhat confusing. The distinction between power and regime change is not being made, and the crowds are roaring to overthrow "Modi's regime." If the entire opposition's strategy is to create chaos by gathering crowds in the capital Delhi and some other major cities, then elections are due in 2027 in five states, including Uttar Pradesh and Punjab. The opposition should exert pressure, mobilize, and attempt a regime change. The country would like to see the mandate in those states, but there is no prospect of regime change. Cockroaches and so-called leftist rioters cannot change the power and system of a vast, diverse country like India. Comparing it to the Arab Spring is also fallacious. Defense Minister Rajnath Singh, who is usually calm and composed, has leveled serious allegations against Leader of the Opposition Rahul Gandhi, alleging that he wants to "set the country on fire" by spreading anarchy. He has no license to do so. However, regime change is impossible because the Modi government has a mandate and an overwhelming majority until 2029. Issues related to vote theft or Chief Election Commissioner (CEC) Gyanesh Kumar are not "long-lasting" because the opposition's demands are "unconstitutional." You cannot label the CEC an "eternal villain." Of course, many flaws have been revealed in the purification of voter lists. We have consistently advocated for the right to vote, but now the Election Commission is correcting errors in 17 states through a "Special Summary Revision" (SSR).

A Necessary Decision

Even though state governments are enacting or tightening laws to prevent fraudulent conversions, conversions are continuing unabated. The Supreme Court denied reservations to SC/OBC converts. Tamil Nadu's pro-conversion policy challenged. Abuse of religious freedom encourages conversions. It is good that the Supreme Court, in a decision, made it clear that if a person from the Scheduled Castes and Other Backward Classes converts, they will no longer be eligible for reservation benefits. Although the Madras High Court had also given a similar decision, the Tamil Nadu government challenged it in the Supreme Court because it wanted to maintain its rule, which allowed people from the SC/OBC communities to continue receiving reservation benefits even if they converted to Islam or Christianity. This rule not only curtailed the rights of the reserved categories of the Sanatan Parivar, but also, in a way, encouraged conversions.It cannot be ignored that many Hindus, Sikhs, or Buddhists from the SC or OBC communities renounce their religion and then demand that they continue to receive reservation benefits even after conversion. Many Muslim and Christian organizations also support this demand. However, by doing so, they expose their claim that they have no caste system or any kind of caste discrimination. It should be noted that it is precisely these claims that they lure poor and uneducated Hindus, Sikhs, and others to convert. The harsh truth is that even after conversion, SC or OBC communities often face caste discrimination and hostility in their new religions. This is why organizations of Dalit Christians and Dalit Muslims Undoubtedly, the problem wasn't just that the Tamil Nadu government's rules encouraged conversions and infringed upon the rights of SCs and OBCs, but also that those who renounced Hinduism received both SC and OBC reservations and minority benefits. The allure of this dual benefit worked in favor of those who converted through deceit and greed, and Hindu society suffered the most, as Sikhs and Buddhists are minority-recognized. It's no secret that Hindu society is particularly targeted by Christian and Muslim organizations engaged in conversion campaigns through deceit and greed. Even though state governments are enacting or tightening laws to prevent fraudulent conversions, conversions remain unabated. The root cause is the misuse of freedom of religious propagation. The Supreme Court, along with the government, should consider how to stop this abuse.

The Difference Between Dissent and Anarchy: Rajnath Singh

Dissent can be expressed in a democracy, but it cannot be based on lies, nor can its goal be to spread anarchy. There's a saying that truth is often the first victim in war. This is increasingly being applied to the political landscape and competition. In this context, "post-truth" is becoming a major aspect of public discourse. "Post-truth" refers to a situation in which fabricated narratives replace truth and facts. Once confined to academic debate, "post-truth" is becoming a part of everyday politics. Misinformation and false narratives are not only influencing public opinion, but also sowing seeds of doubt and suspicion, discrediting the institutions that are the foundation of any democratic system. Under the influence of "post-truth," fabricated narratives are repeated until they appear to be true. In such a situation, not only does the truth become weak and blurred, but lies gradually begin to take the form of truth. Today, when Congress and some opposition leaders are deliberately engaged in creating an atmosphere of chaos through controversy, propaganda, and false claims, it is clear that even Indian political discourse is not immune to this trend of 'post-truth'. It is not that constitutional institutions are beyond criticism in a democracy. Disagreements and disagreements due to ideological differences are both natural and necessary in a democracy, but they also involve a 'social contract' that national interests should be placed above personal, political, or partisan interests. Today, when this contract itself is being attacked, it is essential to expose the truth.For some time now, opposition parties have been trying to tarnish the image of the Election Commission, sometimes by raising issues like irregularities in Electronic Voting Machines (EVMs) and sometimes by addressing the Special Intensive Revision of Voter Lists (SIR). In 2024, in the case of "Association for Democratic Reforms vs. Election Commission of India," the Supreme Court put an end to all concerns regarding EVMs, rejecting the demand to return to the ballot paper system. The Supreme Court also clarified that repeatedly raising doubts about the electoral process based on mere suspicion, without concrete facts or data, is condemnable and undesirable. Despite this, the practice of raising doubts about EVMs has not stopped to this day.

The fact that the SIR process continued in the past, even under different governments. In its 2025 decision, the Supreme Court clearly stated that the accuracy of voter lists is a fundamental prerequisite for free and fair elections. The Court also clarified that it is the Election Commission's constitutional responsibility to ensure the accuracy, completeness, and integrity of voter lists. However, in this era of post-truth, this simple administrative process is being used as a weapon of political opposition to create doubt in the minds of the people. This opposition propaganda not only targets the Chief Election Commissioner but also undermines the credibility of a credible and impartial constitutional institution like the Election Commission. All this is happening even when the Leader of the Opposition is involved in the appointment process of the Chief Election Commissioner. It should be remembered that during the Congress governments, the Chief Election Commissioner was appointed arbitrarily, without any input from anyone. The Congress party has a long history of disrespecting the dignity and independence of constitutional institutions. Before the country had even held its first general election, the then government, through a constitutional amendment, overturned a Supreme Court decision and increased restrictions on freedom of expression.The tainted chapter of the Emergency and the brutal repression of citizens during it will never be forgotten. The Congress party's stance is clear: whenever institutions do not function according to its wishes, it will question their very legitimacy. National security has also fallen victim to Congress's "post-truth" politics. In 2019, Congress leader Rahul Gandhi misquoted the Supreme Court's decision in the Rafale case, forcing him to apologize unconditionally. He also made the misleading claim that another country had occupied Indian territory. The Supreme Court rebuked him for this, stating that a true Indian would never say such a thing.mocracy, disagreement with a decision can be expressed, but the basis for that disagreement cannot be false, nor can its aim be to spread anarchy. The teachings of Babasaheb Dr. Bhimrao Ambedkar, who warned that the dangers posed by the use of unconstitutional methods can be devastating, become even more relevant in this context. Opposition leaders must take note of Dr. Ambedkar's historic speech on "The Grammar of Anarchy" and understand the difference between dissent and anarchy in a democracy.In our view, the foundation of a vibrant democracy is not just political equality, but also economic and social justice. This is the basis for all decisions made by our government. A strong and mature democracy also requires that disagreements and concerns be expressed through legitimate and democratic channels and resolved through dialogue and harmony, not through anarchy. The need of the hour is to embrace democracy. India's rise, along with its democratic institutions, should not be allowed to become hostage to the frustration arising from someone's political defeat.

Europe in Crisis

Europe and other Western countries are largely responsible for the problems they face. These countries are unable to control violent protests because, under the guise of legitimate public concerns, certain forces are inciting anarchists to pursue their own narrow interests. Among these, the role of a coalition of Islamists and communists is particularly prominent. Anti-government protests in Europe have turned violent. Inflation, unemployment, and immigration issues are the main causes. Groups with narrow interests are inciting anarchy. The way protests against governments in various European countries are becoming increasingly chaotic for various reasons, the entire European nation appears to be engulfed in crisis. It is not unusual that the number of people taking to the streets to express their dissatisfaction with governments is increasing in France, Italy, Albania, Portugal, and Belgium, among others. What is worrying is that in some places, these displays of dissatisfaction are devolving into violence, arson, and looting. In this regard, the chaos unfolding in some French cities seems to be a sign of a more serious crisis. Protesters are resorting to arson and looting, as well as attacking police officers. The protests in France began over a shortage of teachers and facilities in schools. Later, issues such as inflation and cuts in social programs also became involved. In other European countries, people are taking to the streets, sometimes to protest government corruption, sometimes to protest unemployment, sometimes due to rising inflation or housing shortages.e coming days. Anger against immigrants is also brewing in Europe, leading to the rise of right-wing parties in many European countries. The problem is that the opposition to illegal immigrants is also affecting legal immigrants. This wave of anti-immigration protests is also being witnessed in Australia and the United States. Europe and other Western countries are largely responsible for the problems they face. These countries are unable to control violent protests because, under the guise of legitimate public concerns, certain forces seeking to further their own narrow interests are inciting those who spread anarchy. Among these, the role of the Islamist and Communist alliance is particularly prominent.

रावण दहन से पहले बिगड़ी मुरादाबाद की हवा, ईको हर्बल पार्क में एक्यूआई 135 पार, दशहरे पर बढ़ेगा प्रदूषण

रावण दहन से पहले ही मुरादाबाद की हवा की गुणवत्ता बिगड़ने लगी है। ईको हर्बल पार्क में एक्यूआई 135 और कांशीरामनगर में 110 दर्ज किया गया, जबकि अन्य चार केंद्रों पर यह 85 से 94 के बीच रहा। नमी घटने से धूल उड़ने के कारण प्रदूषण बढ़ रहा है। रावण दहन से पहले ही मुरादाबाद की हवा बीमार होने लगी है। ईको हर्बल पार्क के पास एक्यूआई (वायु गुणवत्ता सूचकांक) 135 के पार पहुंच गया है। जबकि कांशीरामनगर में 110 रिकार्ड किया गया। हालांकि यह कोई गंभीर स्थिति नहीं है लेकिन अस्थमा, फेफड़ों की बीमारी या दिल के मरीजों को सांस लेने में थोड़ी तकलीफ या बेचैनी महसूस हो सकती है।

जिस तरह से एक्यूआई में इजाफा हो रहा है उस हिसाब दशहरा पर स्थिति बिगड़ सकती है। मौसम साफ होने की वजह से वातावरण की नमी में कमी आई है। रविवार को सुबह नमी का स्तर 79 फीसदी था, जो शाम को घटकर 70 फीसदी रह गया। पिछले 24 घंटे में सुबह के समय की नमी में छह फीसदी की गिरावट आई है।इससे शहर के खुले इलाकों में भी वायु गुणवत्ता सूचकांक यलो जोन में है। रविवार रात आठ बजे शहर का एक्यूआई 100 था। इसमें छह में से दो स्टेशन ईको हर्बल पार्क में 135 और कांशीराम नगर में 110 दर्ज किया गया। ईको हर्बल पार्क में पीएम 2.5 का औसत 128 माइक्रो ग्राम प्रति घन मीटर, पीएम 10 का स्तर 94 माइक्रो ग्राम प्रति घन मीटर दर्ज किया गया।

जबकि कांशीराम नगर में पीएम 2.5 का औसत स्तर 89 माइक्रो ग्राम प्रति घन मीटर और पीएम 10 का औसत स्तर 110 माइक्रो ग्राम प्रति घन मीटर रहा। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के दिशा-निर्देशों के अनुसार एक्यूआई के इस स्तर के कारण फेफड़ों की परेशानी, अस्थमा या हृदय रोग से पीड़ित मरीजों को सांस लेने में परेशानी हो सकती है।

अन्य शेष चार स्टेशन बुद्धि विहार, रोजगार कार्यालय, जिगर कालोनी और ट्रांसपोर्ट नगर में एक्यूआई 85 से 94 के बीच रहा। क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड डीके गुप्ता का कहना है कि नमी होने पर धूल पृथ्वी की सतह पर जम जाती है।जब वातावरण में नमी कम होगी तो निश्चित रूप से धूल उड़ने लगती है। इसके कारण हवा में धूल होने से एक्यूआई का स्तर बढ़ता है। आने वाले दिनों में वायु गुणवत्ता सूचकांक नियंत्रित रहे, इसके लिए नगर निगम की ओर से पानी के छिड़काव और सड़कों की मरम्मत करवाने का कार्य किया जा रहा है।15 अक्तूबर को 180 था एक्यूआई- पंद्रह अक्तूबर को इको हर्वल पार्क का एक्यूआई 180 तक पहुंच गया था। जबकि 14 अक्तूबर को कांशीरामनगर में वायु गुणवत्ता सूचकांक 145 दर्ज किया गया था। जबकि 15 अक्तूबर को पूरे महानगर का एक्यूआई 120 दर्ज किया गया था।

अब नेहरू-गांधी या यादव को अपना नेता नहीं बनाएंगे...; ओवैसी बोले- अब्दुल दरी नहीं बिछाएगा, लीडर बनेगा

एआईएमआईएम अध्यक्ष एवं सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने रामपुर के टांडा की जनसभा में अनुसूचित जाति के लोगों और मुसलमानों के अधिकारों का मुद्दा उठाया। उन्होंने भाजपा के साथ सपा और कांग्रेस को भी निशाने पर लिया। ओवैसी ने कहा कि मुसलमानों को अपनी सफों (कतारों) से नेता पैदा करने होंगे। जब तक ऐसा नहीं होगा, तब तक उनके साथ नाइंसाफी खत्म नहीं हो सकती।राजनीति में 'अब्दुल' की भूमिका का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में है। एआईएमआईएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने रविवार को टांडा में जनसभा के दौरान मुद्दे को उठाते हुए मुस्लिम समाज के राजनीतिक नेतृत्व पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि अब्दुल दरी बिछाए और गांधी तथा नेहरू का नाम लेकर सियासत करने वाले दूसरे लोग आकर उस पर बैठ जाएं, यह व्यवस्था अब नहीं चलेगी। मुसलमानों को अपना नेता खुद चुनना होगा।ओवैसी ने कहा कि मुस्लिम युवाओं में काबिलियत की कमी नहीं है। इसके बावजूद उन्हें राजनीतिक नेतृत्व में आगे बढ़ने के बजाय दूसरों के लिए काम करने तक सीमित रखने की कोशिश की जाती है। उन्होंने सवाल उठाया कि मुसलमान अपना नेता खुद क्यों नहीं चुन सकते। टांडा की जनसभा में कहा, मुसलमानों को अपना नेता खुद चुनना होगा- उनके मुताबिक, राजनीतिक दल चाहते हैं कि अब्दुल नेता बनने के बजाय उनके लिए दरी बिछाने का काम करे और जब दरी बिछ जाए तो गांधी और नेहरू का नाम लेकर सियासत करने वाले लोग आकर बैठ जाएं, फिर हमसे पूछे कि अब्दुल कैसा है। ओवैसी ने दरी का उदाहरण देकर मुस्लिम समाज की राजनीतिक भागीदारी का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि दरी बिछाने के बाद दूसरे लोग उस पर बैठ जाते हैं, लेकिन अब्दुल को नेतृत्व का अवसर नहीं मिलता। उन्होंने मुस्लिम युवाओं से राजनीति में आगे आने और अपनी नेतृत्व क्षमता का इस्तेमाल करने का आह्वान किया। टांडा की जनसभा में ओवैसी के इस बयान ने 'अब्दुल' की राजनीतिक भूमिका को फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया।ओवैसी बोले-मुसलमानों को अपनी सफों से नेता पैदा करने होंगे- एआईएमआईएम अध्यक्ष एवं सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने टांडा की जनसभा में अनुसूचित जाति के लोगों और मुसलमानों के अधिकारों का मुद्दा उठाया। उन्होंने भाजपा के साथ सपा और कांग्रेस को भी निशाने पर लिया। ओवैसी ने कहा कि मुसलमानों को अपनी सफों (कतारों) से नेता पैदा करने होंगे। जब तक ऐसा नहीं होगा, तब तक उनके साथ नाइंसाफी खत्म नहीं हो सकती।

उन्होंने कहा कि मुसलमानों को शिकायत है कि देश की आजादी में उनके बुजुर्गों और उलमा-ए-इकराम ने कुर्बानियां दीं, लेकिन आजादी के बाद उन्हें संविधान में किए गए वादे के मुताबिक हक नहीं मिला। ऐसे में उन्हें अपने नेतृत्व के लिए आगे आना होगा। ओवैसी ने कहा, उनके विरोधी सवाल करते हैं कि वह रामपुर और मुरादाबाद क्यों आते हैं। उन्होंने इसका जवाब देते हुए कहा कि 1952 में पहला संसदीय चुनाव लड़ने के लिए मौलाना अबुल कलाम आजाद रामपुर आए थे। जवाहरलाल नेहरू ने उन्हें यहां चुनाव लड़ने के लिए भेजा था। ओवैसी ने सवाल उठाया कि उनसे यह सवाल क्यों नहीं पूछा गया। उन्होंने कहा कि मौलाना आजाद के इल्म को देखकर ही यहां के लोगों ने उन्हें चुना था। वर्ष 1957 में उन्होंने मेवात यानी गुड़गांव से चुनाव लड़ा था।

अनुसूचित जाति के लोगों और अल्पसंख्यकों के मुद्दे पर ओवैसी ने कहा कि पेट की भूख तो बर्दाश्त की जा सकती है, लेकिन मान-सम्मान और इज्जत की बात आए तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यहां के दलितों और मुसलमानों को अस्पताल की गोली तो नहीं मिलती, लेकिन हुकूमत की बंदूक की गोली जरूर मिल जाती है। सभी को मिलकर नाइंसाफी के इस दौर को खत्म करना होगा।

रामपुर में महिला साक्षरता 44 प्रतिशत और 70 प्रतिशत बच्चे एनीमिया से पीड़ित होने का किया दावा- महिलाओं को संबोधित करते हुए ओवैसी ने दावा किया कि रामपुर में महिला साक्षरता दर केवल 44 प्रतिशत है, जबकि जिले की कुल साक्षरता दर 53 प्रतिशत और उत्तर प्रदेश की 67 प्रतिशत है। उन्होंने यह भी दावा किया कि यहां के 70 प्रतिशत बच्चे एनीमिया यानी खून की कमी से पीड़ित हैं। उन्होंने इन आंकड़ों को सरकार की विफलता बताया।

महागौरी और सिद्धिदात्री की पूजा-अर्चना, कन्याओं को जिमाया, काली मंदिर में आज होगी पूर्णाहुति

बिलारी ।शारदीय नवरात्र के अवसर पर नगर और क्षेत्र के मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। सोमवार को अष्टमी और नवमी के अवसर पर मां दुर्गा के आठवें स्वरूप महागौरी और नौवें स्वरूप सिद्धिदात्री की विशेष पूजा-अर्चना की गई। सुबह से ही घरों में कन्या पूजन का सिलसिला शुरू हो गया। महिलाओं ने कन्याओं को श्रद्धापूर्वक भोजन कराया, तिलक लगाकर आशीर्वाद लिया और उपहार देकर सम्मानित किया। श्रीराम आश्रम स्थित काली मंदिर में चल रहे नवचंडी यज्ञ में यजमान कृष्ण कुमार गोयल और प्रीति गोयल सहित अन्य श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजन किया और यज्ञ में आहुतियां समर्पित कीं। मंदिर में मंगलवार को यज्ञ की पूर्णाहुति होगी। पंडित कृष्ण भारद्वाज और विमल भारद्वाज ने मंत्रोच्चारण के साथ यज्ञ संपन्न कराया।

नगर के बच्चा बाग स्थित शिव मंदिर में भी हवन-पूजन किया गया। इसमें मुख्य यजमान शुभम शर्मा और शिवानी शर्मा रहे। इस अवसर पर पुजारी पंडित ताराचंद शर्मा, साहू राजीव सहाय, साहू संजीव सहाय, शांतनु भारद्वाज, सुरेंद्र शर्मा, अभिषेक शर्मा, शोभा दीक्षित, दीप्ति शर्मा, शुभी गुप्ता, बाला चावला, सुधा शर्मा, मधु शर्मा, नीलम शर्मा और सारिका सहित अन्य श्रद्धालु मौजूद रहे। श्रीराम आश्रम स्थित काली मंदिर में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए पंडित राघवेंद्र शर्मा ने बताया कि नवरात्र के नौवें दिन मां सिद्धिदात्री की पूजा-अर्चना की जाती है। माता को सभी प्रकार की सिद्धियां प्रदान करने वाली माना जाता है। उनकी उपासना से मनुष्य अज्ञान, तमस और असंतोष से दूर होकर उद्यम, उत्साह तथा कर्तव्यनिष्ठा की ओर अग्रसर होता है। नवरात्र के मद्देनजर मंदिरों के आसपास पुलिस व्यवस्था की गई है। नगर पालिका की ओर से नियमित सफाई कराई जा रही है और चूने का छिड़काव भी किया जा रहा है।ष

संक्षिप्त समाचार

पति की दूसरी शादी का विरोध करने पर महिला को जलाने का प्रयास

केमरी। थाना क्षेत्र में पति की दूसरी शादी का विरोध करने पर एक महिला के साथ मारपीट और डीजल डालकर जिंदा जलाने की कोशिश का मामला सामने आया है। पीड़िता ने पति समेत ससुराल पक्ष के छह लोगों पर गंभीर आरोप लगाते हुए एसपी से न्याय की गुहार लगाई। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी किरन की शादी 13 फरवरी 2018 को रामनगरिया गांव निवासी प्रेमपाल से हुई थी और उनके तीन बच्चे हैं। किरन का आरोप है कि पति प्रेमपाल ने दूसरी शादी कर ली, जिसकी जानकारी मिलने पर उसे शादी के फोटो और इकरारनामा भी मिला।29 अप्रैल 2026 को दूसरी शादी का विरोध करने पर पति प्रेमपाल, सास शांति देवी, ससुर सुंदरलाल, देवर महेंद्र व सतीश, ननद शीला और पूनम कुशवाह ने उससे मारपीट व गाली-गलौज की। पीड़िता का आरोप है कि ससुराल वालों ने उसे घर में रखने से इन्कार कर दिया और डीजल डालकर जिंदा जलाने की कोशिश की ।वह किसी तरह उनके चंगुल से छूटकर मायके पहुंची, जहां से संपर्क करने पर भी ससुराल पक्ष ने उसे जान से मारने की धमकी दी। अब वह अपने तीनों बच्चों के साथ मायके में रह रही है। सीओ राजवीर सिंह परिहार ने बताया कि एसपी के आदेश पर केमरी पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

एपीके फाइल खोलते ही बिजली कर्मी का फोन हैक, परिचितों से मांगे रुपये

बिलासपुर (रामपुर)। कोतवाली क्षेत्र में उत्तराखंड बॉर्डर स्थित विद्युत उपकेंद्र पर तैनात संविदा बिजली कर्मी का फोन हैक कर ठगी की कोशिश का मामला सामने आया है। ठगों ने एपीके फाइल के जरिये फोन हैक कर उनके परिचितों से घायल होने का बहाना बनाकर रुपये मांगने शुरू कर दिए ।खजुरिया थाना क्षेत्र के ग्राम बेगमाबाद निवासी भाजपा नेता दयाराम लोधी के पुत्र जितेंद्र कुमार वर्मा उत्तराखंड बॉर्डर स्थित विद्युत उपकेंद्र पर संविदा कर्मी के तौर पर तैनात हैं ।जितेंद्र वर्मा ने बताया कि रविवार दोपहर करीब 3-30 बजे उनके फोन पर एपीके फाइल का एक लिंक आया था, जिसे उन्होंने अनजाने में खोल दिया। लिंक खोलते ही उनका फोन हैक हो गया। इसके बाद हैकर्स ने उनके फोन में सेव सभी व्हाट्सएप नंबरों पर घायल पैर की फोटो और एक क्यूआर कोड भेजकर रुपये मांगने शुरू कर दिए ।लोगों के अनुसार, क्यूआर कोड स्कैन करने पर उस पर प्रताप किराना स्टोर लिखा आ रहा है। मैसेज में जितेंद्र के घायल होने का हवाला देकर इलाज के लिए तुरंत पैसे भेजने को कहा जा रहा है। परिचितों ने इसे धोखाधड़ी समझते हुए परिजनों को इसकी जानकारी दी ।जितेंद्र वर्मा ने बताया कि उन्होंने इस संबंध में रुद्रपुर स्थित साइबर क्राइम कार्यालय पहुंचकर शिकायत दर्ज करा दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं, सीओ पीपी सिंह ने घटना के संबंध में अनभिज्ञता जताई है।

तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो दोस्तों की मौत

स्वार। केलाखेड़ा मार्ग पर रविवार शाम पिरानी के बाग के निकट तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार दो दोस्तों को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया। हादसे की खबर मिलते ही मृतकों के परिवारों में चीख-पुकार मच गई। कोतवाली क्षेत्र के मधुपुरा गांव निवासी मुकेश कुमार (21) पुत्र राजकुमार और सुनील कुमार (22) पुत्र रामकुमार आपस में गहरे दोस्त थे। दोनों नगर की आरा मशीनों पर लकड़ी की छिलाई का काम करते थे। रविवार को साप्ताहिक अवकाश होने के कारण काम बंद था। इस पर मुकेश अपने दोस्त सुनील के साथ उत्तराखंड के गदरपुर थाना क्षेत्र के गुलडरभोज स्थित अपनी बहन के घर गया था ।दोनों बाइक से वापस गांव लौट रहे थे। शाम करीब साढ़े चार बजे स्वार-केलाखेड़ा मार्ग पर पिरानी के बाग और सिख झाले के पास तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना पर पुलिस और मृतकों के परिजन घटनास्थल पर पहुंच गए। दोनों युवकों की मौत से परिवारों में मातम छा गया ।सीओ हर्षिता सिंह ने बताया कि दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया गया है। तहरीर मिलने पर प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। गांव में दी जाती थी दोनों की दोस्ती की मिसाल-स्वार। मधुपुरा गांव के मुकेश कुमार और सुनील कुमार की दोस्ती की मिसाल गांव में दी जाती थी। दोनों की उम्र में महज एक साल का अंतर था। गहरी दोस्ती के चलते वे ज्यादातर समय साथ बिताते थे। नगर की आरा मशीनों पर लकड़ी की छिलाई का काम भी दोनों साथ करते थे और मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवारों का भरण-पोषण करते थे। रविवार को साप्ताहिक अवकाश होने पर दोनों बाइक से उत्तराखंड के गुलडरभोज स्थित मुकेश की बहन के घर मिलने गए थे। वहां से लौटते समय हुए हादसे ने दोनों की जिंदगी छीन ली। जो दोस्त रोज साथ काम करते थे और साथ ही आते-जाते थे, उनकी एक साथ मौत से दोनों परिवारों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। परिवारों में कोहराम-स्वार। सड़क हादसे में दो मित्रों की मौत से मधुपुरा गांव में शोक की लहर दौड़ गई। दोनों परिवारों की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर है। जवान बेटों की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में हर तरफ मातम पसरा है। हादसे की खबर सुनकर आसपास के लोग भी गमगीन हैं। दुख में कई घरों में चूल्हे तक नहीं जले ।मधुपुरा निवासी मुकेश और सुनील की मौत से उनके परिवारों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। मुकेश की बहनों की शादी हो चुकी है, जबकि सुनील दो भाइयों और तीन बहनों में से एक था। दोनों मित्र अविवाहित थे। गांव के लोग शोकाकुल परिवारों को सांत्वना देने पहुंच रहे हैं।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

24 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे होगा किसान दिवस, डीएम करेंगे अध्यक्षता

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली। जिले के अन्नदाताओं और किसान बंधुओं के लिए महत्वपूर्ण सूचना है। कृषि विभाग द्वारा संचालित %कृषि सूचना तंत्र के सुदृढ़ीकरण एवं कृषक जागरूकता कार्यक्रम% के तहत हर माह के तीसरे बुधवार को आयोजित होने वाले 'किसान दिवस' की तिथि में इस बार बदलाव किया गया है। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार यह आयोजन 21 अक्टूबर 2026 को होना था, लेकिन अपरिहार्य कारणों के चलते जिलाधिकारी के निर्देशानुसार अब यह कार्यक्रम 24 अक्टूबर 2026 को आयोजित किया जाएगा। समस्याओं का मौके पर ही होगा समाधान- इस महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता स्वयं जिलाधिकारी महोदय करेंगे। कार्यक्रम का आयोजन 24 अक्टूबर को दोपहर 12:00 बजे से विकास भवन सभागार, बरेली में होगा। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य क्षेत्रीय आवश्यकताओं के अनुरूप किसानों की समस्याओं और शिकायतों का त्वरित निस्तारण करना है। बैठक में कृषि विभाग सहित खेती-किसानी से जुड़े सभी आनुषंगिक विभागों के वरिष्ठ अधिकारी और जिले के प्रगतिशील किसान मुख्य रूप से प्रतिभाग करेंगे। प्रशासन ने जनपद के सभी किसान बंधुओं से अपील की है कि वे संशोधित तिथि और समय का ध्यान रखते हुए कार्यक्रम में समय से उपस्थित होकर अपनी समस्याओं का समाधान कराएं और विभागीय योजनाओं की जानकारी प्राप्त करें।

नवरात्र, अष्टमी-नवमी पर घर-घर पधारीं देवियां, पूजी गईं कन्याएं, चरण पखारकर लिया आशीर्वाद

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली। नवरात्र पर्व के अवसर पर अष्टमी और नवमी तिथि पर घरों और मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना की गई। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से मां दुर्गा की पूजा करने के बाद कन्या पूजन किया। कन्याओं को देवी स्वरूप मानकर उनका पूजन किया गया और उन्हें भोजन कराया गया। इसके बाद लोगों ने कन्याओं से आशीर्वाद लिया और उन्हें उपहार व दक्षिणा भेंट की।

नवदुर्गा मंदिर साहूकारा, मनोकामना मंदिर, कालीबाड़ी मंदिर, चौरासी घंटा मंदिर में भी अष्टमी-नवमी पूजन के बाद कन्या पूजन किया गया। यहां पहुंचे माता भक्तों ने श्रद्धा और भक्ति भाव से पूजा-अर्चना की। इसके बाद कन्याओं को भोजन कराया गया। अन्य मंदिर परिसरों में धार्मिक आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा का स्मरण कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

खूंखार बंदर का आतंक, महिलाओं समेत 10 लोगों को काटा; गांव में दहशत

क्यूँ न लिखूँ सच/ मुरादाबाद। डिलारी मे सोमवार को क्षेत्र के गांव बढेरा में खूंखार बंदर ने महिलाओं समेत 10 लोगों पर हमला कर घायल कर दिया, घटना से गांव में दहशत का माहौल है, गांव निवासी यामीन अपने घर में रात को मच्छरदानी लगाकर सो रहा था, तड़के 4:00 मच्छरदानी में घुसकर यामीन पर हमला कर दिया,

शोर मचाने पर खूंखार बंदर भाग गया, फिरासत, भूप सिंह, दानिश, सतपाल, नरगिस,सुनीता, महजबी, दिलशाद, रामावतार,सोनू, पर हमला कर दिया एक ही बंदर के लगातार हमले से गांव में भगदड़ मच गई, अफरा तफरी का माहौल बन गया, बंदर के आतंक से लोग घरों में कैद हो गए, ग्रामीण हसमत अली, नौशाद, विरासत, अहमद हसन, जहांगीर, रिफाकत,सलामत, महफूज आदि ने बताया कि खूंखार बंदर पागल हो गया जिसको देख लेता है उसी पर हमला कर रहा है, तेंदुए के साथ अब खूंखार बंदर का खौफ सताने लगा है, आतंकी बंदर के भय से ग्रामीण रातें जाकर गुजर रहे हैं,जिससे गांव में दहशत बनी हुई है, ग्रामीणों ने हमले किए हुए घायल लोगों की वीडियो बनाकर तहरीर के साथ संलग्न कर थाना डिलारी पुलिस को दे दी है, घायलों का का उपचार, जिला अस्पताल मुरादाबाद व निजी चिकित्सालय में किया जा रहा है, पागल बंदर को पकड़ने के लिए ग्रामीणों ने फोन पर एसडीएम ठाकुरद्वारा को सूचना दे दी है लेकिन अभी तक पागल बंदर पकड़ने के लिए प्रशासनिक मशीनरी नहीं पहुंची, जिससे भय का माहौल बना हुआ

CM सामूहिक विवाह योजना में 560 जोड़ों ने थामा एक-दूसरे का हाथ

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो /बरेली। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत जिले के पांच विकासखंडों में भव्य सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किए गए। वैदिक मंत्रोच्चार और पूरे रीति-रिवाज के साथ कुल 560 जोड़ों ने दांपत्य जीवन में कदम रखा। इस दौरान सांसद, विधायकों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने नवदंपतियों को आशीर्वाद देकर उनके मंगलमय जीवन की कामना की।

ब्लॉकवार विवाह विवरण- बहेड़ी- 148 जोड़े उपस्थिति- राज्यसभा सांसद श्रुति गंगवार, ब्लॉक प्रमुख अमरेंद्र सिंह गोल्डी आलमपुर जाफराबाद- 131 जोड़े उपस्थिति- विधायक डॉ. राघवेंद्र सिंह, जिलाध्यक्ष आदेश प्रताप सिंह नवाबगंज- 117 जोड़े उपस्थिति- सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार, राज्यसभा सांसद श्रुति गंगवार, विधायक डॉ. एम.पी. आर्य)शेरगढ़- 110 जोड़े सांसद छत्रपाल गंगवार, एमएलसी बहोरन लाल मौर्य, विधायक डी.सी. वर्मा ब्लॉक प्रमुख विजेता ठाकुर जरूरतमंद परिवारों की बेटियों के विवाह में सहयोग और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इन कार्यक्रमों में भारी उत्साह देखने को मिला। जनप्रति

जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने पत्नी के साथ की मां दुर्गा की पूजा-अर्चना, कन्या पूजन कर लिया आशीर्वाद

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली। महानवमी के पावन अवसर पर जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने अपनी धर्मपत्नी के साथ मां दुर्गा की विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना की और हवन कर जनकल्याण की कामना की।

इस दौरान उन्होंने मां दुर्गा से सभी के जीवन में सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य, शांति और खुशहाली बनाए रखने की प्रार्थना की।

महानवमी के शुभ अवसर पर धार्मिक परंपराओं के अनुसार कन्या पूजन का आयोजन भी किया गया। जिलाधिकारी और उनकी धर्मपत्नी ने कन्याओं का पूजन कर उन्हें श्रद्धापूर्वक भोजन कराया। इसके बाद कन्याओं को प्रसाद एवं उपहार वितरित किए गए। इस दौरान मां दुर्गा के प्रति श्रद्धा और भक्ति का भाव देखने को मिला।

महानवमी हिंदू धर्म में विशेष धार्मिक महत्व रखती है। इस दिन मां दुर्गा के नौवें स्वरूप मां सिद्धिदात्री की पूजा-अर्चना की जाती है। कन्या पूजन के माध्यम से कन्याओं को देवी स्वरूप मानकर उनका सम्मान किया जाता है। इस पावन अवसर पर मां दुर्गा से सभी के कल्याण, परिवारों की सुख-समृद्धि और समाज में शांति एवं सद्भाव बनाए रखने की प्रार्थना की गई।

....रावण अभी मरा नहीं है!

खिरका में साहित्य सुरभि की सरस काव्य गोष्ठी, गीतकार मिलन, मनोज सक्सेना को मिला श्रीराम-शीला स्मृति गीत रत्न सम्मान

क्यूँ न लिखूँ सच/ फतेहगंज पश्चिमी, बरेली। बरेली की प्राचीन-प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था साहित्य सुरभि की 391वीं नियमित मासिक काव्य गोष्ठी एवं सम्मान समारोह ग्राम-खिरका में कवि-पत्रकार एवं त्रैमासिक साहित्यिक पत्रिका साहित्य सुरभि के सम्पादक गणेश पथिक के निवास पर उन्हीं के संयोजन में आयोजित किया गया। मंच सज्जा, सरस्वती पूजन, वाणी वन्दना के उपरांत चर्चित कवि मनोज सक्सेना मनोज और मिलन कुमार मिलन को कार्यक्रम संयोजक गणेश पथिक द्वारा माता स्वर्गीया श्रीमती शीला देवी-पिता स्वर्गीय श्री रामसिंह की पुण्य स्मृति में श्री राम-शीला स्मृति गीत रत्न सम्मान से विभूषित किया गया कार्यक्रम संयोजक श्री पथिक और समारोह की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ साहित्यकार रणधीर गौड़ धीर, मुख्य अतिथि विनय साग़र जायसवाल और विशिष्ट अतिथि ग़ज़लकार रामकुमार भारद्वाज अफरोज़ तथा साहित्य सुरभि के अध्यक्ष रामकुमार कोली ने फूलमालाएं पहनाकर, स्मृति चिह्न-अभिनन्दन पत्र भेंटकर और शॉल उढ़ाकर दोनों को सम्मानित किया। सम्मानित हुए चर्चित कवि मिलन कुमार मिलन ने अपने इस गीत से खूब तालियां बटोरीं- कौवे छीन रहे हंसों से मेरे हिन्दुस्तान को।सभी सियासी सौंप रहे जब कुर्सी ही संतान को।। गोष्ठी में सम्मानित हुए दूसरे कवि मनोज सक्सेना मनोज का गीत भी खूब सराहा गया- शिव ने किया क्षमा नहीं है रावण अभी मरा नहीं है। काव्य गोष्ठी को ऊंचाइयों तक पहुंचाने और यादगार बनाने में मंचासीन कवियों के साथ ही श्रेष्ठ काव्यमय संचालन कर रहे आशु कवि, ग़ज़लकार राज शुक्ल ग़ज़लराज का भी विशिष्ट योगदान रहा।

संस्थाध्यक्ष रामकुमार कोली, गणेश पथिक, समाजसेवी-व्यवसायी, महबूब शायर एम. इश्त्याक खान,राजकुमार अग्रवाल राज़, सरल कुमार सक्सेना सरल, सत्यवती सिंह सत्या, वरिष्ठ कवयित्री डॉ. मिथिलेश राकेश मिथिला,डॉ. राजेश शर्मा ककरैली, कवि अविजीत अवि,, लोकगीतकार रामधनी निर्मल ने भी मनभावन काव्यपाठ किया और तालियों की बौछार-वाहवाहियों के बीच विशेष छाप छोड़ी। अंत में कार्यक्रम संयोजक गणेश पथिक ने सबका आभार एवं प्रदर्शित किया।

दशहरा रामलीला धार्मिक सेवा समिति का 70 वाँ विराट दशहरा मेला आज

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो/ बरेली । दशहरा रामलीला धार्मिक सेवा समिति बरेली के तत्वाधान में होने वाले 70 वाँ विराट भव्य और दिव्य दशहरा मेला आज विष्णु इंटर कॉलेज के मैदान में होगा। बरेली दशहरा रामलीला धार्मिक सेवा समिति के महामंत्री रवि छाबड़ा ने बताया कि यह भव्य मेला विभाजन के बाद सन 1950 से मॉडल टाऊन में लगाया जा रहा है, बरेली के सब से बड़े मेले के रूप इसे जाना जाता रहा है। उन्होंने यह भी बताया पहले राजगद्दी की शुरुआत जिला परिषद कार्यालय से होती थी और यह पूरे शहर का भ्रमण करते हुए मॉडल टाऊन दशहरा मेला ग्राउंड पहुंचती थी। यह मेला श्री विष्णु इंटर कॉलेज बरेली में गत वर्ष की तरह नए स्वरूप में आयोजित होने जा रहा है। 19 अक्टूबर को मॉडल टाऊन में लंका दहन होगा।

महामंत्री रवि छाबड़ा ने यह भी बताया कि 20 अक्टूबर को शाम 4.30 बजे राजगद्दी यात्रा श्री हरि मंदिर के शुरू होकर सनातन धर्म मंदिर,रामायण मंदिर,दरगाह मंदिर होते हुए मेला स्थल में पहुंचेगी। मेला स्थल पर 50 फुट ऊंचे रावण और 40-40 फुट ऊंचे मेघनाथ और कुंभकरण के पुतले बनाए गए है। इस अवसर पर आतिशबाजी का जोरदार मुकाबला सभी बरेली वासियों को देखना का अवसर मिलेगा। मेला के मुख्य अतिथि पूरन लाल लोधी अध्यक्ष बृज प्रांत और अति विशिष्ट अतिथि अरुण सक्सेना पर्यावरण एवं वन मंत्री भारत सरकार,श्रुति गंगवार राजसभा सदस्य,दुर्ग विजय सिंह शाक्य महानगर अध्यक्ष अधीर सक्सेना,विधायक संजीव अग्रवाल, विधायक छत्र पाल गंगवार जी होगे। मेला का शुभारंभ श्री उमेश गौतम जी महापौर बरेली के कर कमलों द्वारा होगा। अतिथि के रूप में हमारे बीच जिलाधिकारी अविनाश सिंह एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद होगे। मेला कमेटी अध्यक्ष अनुपम कपूर, महामंत्री रवि छाबड़ा,मेला इंचार्ज अतुल कपूर, मुख्य संरक्षक सुशील अरोरा,अनिल अरोरा, कोषाध्यक्ष संजय आनन्द,मीडिया प्रभारी गोविन्द तनेजा,लतेश शर्मा,धीरज कुमार आदि ने मेले ग्राउंड पर रह कर तैयारियों का जायजा लिया ।अंत में महामंत्री रवि छाबड़ा ने सभी सदस्यों को उनकी सेवाओं और जिम्मेदारी से अवगत कराया और सभी बरेली वासियों से अधिक से अधिक संख्या में मेले में पधार कर मेले को सफल बनाने की अपील की है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

कार या 25 लाख दो या धर्म बदलो ,विवाहिता को घर से निकाला, आठ पर केस

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो /बरेली। दहेज में स्कॉर्पियो या सफारी कार अथवा 25 लाख रुपये की मांग पूरी न होने पर विवाहिता को प्रताड़ित कर घर से निकालने का मामला सामने आया है। आरोप है कि महिला पर ईसाई धर्म अपनाने का दबाव भी बनाया गया। उसके इनकार करने पर ससुराल वालों ने उसे घर से निकाल दिया। महिला के पिता की शिकायत पर बारादरी थाना पुलिस ने पति, सास समेत आठ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायत में ससुराल पक्ष पर अन्य हिंदू लोगों को बहलाकर ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रेरित करने का आरोप भी लगाया गया है।

भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष बनीं डॉ. मीनाक्षी गंगवार

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो /बरेली। भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेश में महिला मोर्चा के जिलाध्यक्षों की घोषणा कर दी है। रविवार को जारी सूची में बरेली से डॉ. मीनाक्षी गंगवार को महिला मोर्चा का जिलाध्यक्ष बनाया गया है। 18 अक्टूबर को जारी सूची के मुताबिक, प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की अनुमति से महिला मोर्चा के जिलाध्यक्षों की घोषणा की गई है।

डॉ. मीनाक्षी गंगवार को नई जिम्मेदारी सौंपे जाने के बाद बरेली में भाजपा महिला मोर्चा के संगठनात्मक कार्यों को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी उनके कंधों पर होगी। जिलाध्यक्ष के रूप में उन्हें महिला कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय बनाने और संगठन की गतिविधियों को गति देने की भूमिका निभानी होगी। भाजपा में महिला मोर्चा पार्टी की संगठनात्मक संरचना का अहम हिस्सा है। इसके माध्यम से महिला कार्यकर्ताओं को संगठन से जोड़ने और पार्टी के कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने का काम किया जाता है। ऐसे में बरेली में डॉ. मीनाक्षी गंगवार की नियुक्ति को महिला मोर्चा के आगामी संगठनात्मक कार्यों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

महिलाओं वे बालिकाओं को उनके मान सम्मान सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूक कराया

क्यूँ न लिखूँ सच/ सिकंदर राजा / मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं वे बालिकाओं को उनके मान सम्मान सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूक कराया मिशन शक्ति फेस 6.0 के महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ गोष्ठी कर सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं जैसे- विधवा पेंशन योजना वृध्दावस्था पेंशन योजना सुकन्या समृद्धि योजना प्रधानमंत्री आवास योजना मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना ,कृषि कर भुगतान योजना, कन्या सुमंगला योजना , प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना आदि से अवगत कराते हुए एवं महिलाओं को उनकी सुरक्षा एवं सम्मान के प्रति जागरूक करते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों जैसे- मिशन शक्ति में महिला हेल्पलाइन नंबरवूमेन पावर लाइन-1090 घरेलू हिंसा हेल्पलाइन-181 पुलिस आपातकालीन सेवा -112 स्वास्थ्य सेवा- 102,108 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर -1076 चाइल्ड लाइन 1098 साइबर क्राइम 1930, आदि के बारे में जागरूक किया गया तथा साइबर अपराध के बारे में जानकारी दी गई व पंपलेट वितरण किए गए रूस्त्र 10 थाना मुंडापांडे जनपद मुरादाबाद

हाइवे पर बाइक डिवाइडर से टकराई ,बाइक सवार दोनो घायल

क्यूँ न लिखूँ सच/ फतेहगंज पश्चिमी।सोमवार सुबह को नेशनल हाइवे पर अनियंत्रित बाइक डिवाइडर से टकराने से बाइक सवार दोनों युवक गंभीर घायल हो गए।सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनो को एंबुलेंस के द्वारा बरेली अस्पताल भेज दिया।जानकारी के मुताबिक थाना नवाबगंज के गांव नगरिया खुर्द निवासी राजकुमार और गांव परोधी निवासी वीरेंद्र सोमवार सुबह करीब 5 बजे बाइक के द्वारा मीरगंज से अपने घर लौट रहे थे।स्थानीय कस्बा के बाईपास रहपुरा अंडर पास पर पहुंचने पर अचानक बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई।हादसे में दोनो के सिर में चोट आने के कारण दोनों गंभीर हो गए।सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनो को एंबुलेंस के द्वारा बरेली अस्पताल भेज दिया। जहां राजकुमार की हालत नाजुक बताई जा रही है।

पिपलेश्वर मंदिर के पास जय मां दुर्गा देवी पंडाल में आरती के बाद गूजे भव्य जायकारे

क्यूँ न लिखूँ सच/राजेंद्र विश्वकर्मा/ देवी पंडाल में भक्तों द्वारा 9 दिन विभिन्न प्रकार की कई झांकियां सजाई गई

जिसमें पांडा मोनू ठाकुर वा कई भक्तों ने देवी के नवमी स्वरूप का विधि वक् पूजन किया ब लंगर प्रसाद सभी भक्त सनी ठाकुर सोनू ठाकुर रवि वाजपेई आकाश चौरसिया राज वर्मा वैभव शुक्ला नैतिक शुक्ला लेखपाल सागर वाजपेई सागर चौरसिया छोटू पटवा आशीष चौरसिया ब समस्त भक्त गण मौजूद रहे

यूपी में तीन की मौत: मां के सपने टूटे, बाप के बुढ़ापे की लाठी, जन्मदिन के दो दिन बाद हमेशा के लिए बिछड़ा बेटा

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर सहारनपुर के नागल के गांव बेलड़ा जुनारदार के पास गोल चक्कर पर रविवार तड़के तेज रफ्तार थार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराई। इसके बाद थार डिवाइडर को तोड़ते हुए दूसरी तरफ पलट गई। हादसे में आगरा के रहने वाले तीन दोस्तों की मौत हो गई।सहारनपुर में दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर हुए थार हादसे में आगरा के तीन युवकों की मौत हो गई। तीन युवकों की मौत से परिवारों में मातम है। राहुल, सक्षम और साहिल के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

आगरा की रेणुका बाग कॉलोनी (कमला नगर) के 22 वर्षीय सक्षम गौतम जिंदादिली के लिए जाने जाते थे। किसी की भी मदद करनी हो तो पीछे नहीं हटते थे। मां के सपने पूरे करने के लिए कम उम्र में ही नौकरी शुरू कर दी। वह पिता का मजबूत सहारा बनना चाहते थे मगर पल भर में सब बिखर गया। सपनों के साथ बुढ़ापे की लाठी टूट गईरविवार सुबह 5-30 बजे सहारनपुर हादसे की जानकारी देने के लिए फोन आया तो सुनते ही पिता के पैरों तले जमीन खिसक गई। मां फूट-फूटकर रोने लगीं। घर के बाहर जुटे कॉलोनी के लोग और रिश्तेदार सभी की आंख नम हो गई। पिता राजेंद्र गौतम घर के बाहर ही किराना स्टोर चलाते हैं। उनके दो बेटे सक्षम और पार्थ थे। सक्षम ने डी.फार्मा किया था। पार्थ बीबीए की पढ़ाई कर रहा है।सक्षम ने 6 महीने पहले ही फार्मा कंपनी में मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव की नौकरी शुरू की थी। वह एरिया मैनेजर था। मामा सूर्यकांत गौतम ने बताया कि सक्षम पढ़ाई में काफी होशियार था। नौकरी कर उन्होंने पिता के साथ भाई की भी जिम्मेदारी निभाने लगे थे।तीन दिन की मिली थी छुट्टी-सक्षम मां मधु का दुलारा था। उनके साथ ही रोजाना खाना खाता था। 30 सितंबर को उसका जन्मदिन था। मगर वह हर साल अपना जन्मदिन हिंदू कैलेंडर के मुताबिक नवरात्र में पंचमी को मनाता था। इसके लिए मां के साथ पिता भी तैयारी करते थे। इस बार भी दो दिन पहले ही पंचमी को जन्मदिन मनाया गया। सक्षम को जॉब लगने के छह महीने बाद 3 दिन की छुट्टी मिली थी। उन्होंने दोस्तों साहिल, राहुल, हेमंत और सचिन के साथ बाहर जाने का कार्यक्रम मनाया। शनिवार रात 9 बजे कॉलोनी में ही दुर्गा पंडाल में चल रहे भंडारे में प्रसाद लिया। इसके बाद सभी थार गाड़ी से हरिद्वार के लिए निकल गए थे। बाद में देहरादून होते हुए मसूरी भी जाते।मां करती रहीं दुआ, परिजन संभालते रहे-सुबह तकरीबन 5-30 बजे साहिल के पिता ने राजेंद्र गौतम को फोन किया। उन्हें हादसे की जानकारी दी। सुनते ही पिता बेसुध हो गए। मां भी रोने लगी। बाद में भाई पार्थ ने उन्हें संभाला। कुछ देर बाद पिता और ताऊ घटनास्थल के लिए रवाना हो गए। मां को नहीं बताया कि सक्षम अब वापस नहीं आएगा। मां बेटे के सकुशल लौटने की दुआ करती रहीं। उन्हें लग रहा था कि बेटा ठीक होकर आएगादोस्तों से मिलने दिल्ली से आता था साहिल-साहिल के मौसा ब्रह्मनंद ने बताया कि साहिल के पिता बीएसएफ में अधिकारी हैं। वर्तमान में उनकी तैनाती बंगलूरू में है। साहिल अपनी मां और बहन के साथ दिल्ली में रहता था। वह परिवार का इकलौता बेटा था। उसके जाने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। जिस बेटे को परिवार ने बड़े अरमानों से पाला था, उसके अचानक चले जाने से उनकी दुनिया उजड़ गई रेणुका बाग कॉलोनी की नीलम शर्मा ने बताया कि भूड़ का बाग, शांति नगर निवासी साहिल के पिता छह महीने पहले वह मकान खाली कर दिल्ली चले गए। तब से वहीं रह रहे हैं। साहिल आगरा से जाने के बाद भी अपने दोस्तों से मिलने आया करता था। शनिवार को भी आया था। उसके घर पर ताला लगा होने के कारण रिश्तेदार और परिचित दिल्ली चले गए।चचेरे भाई लेकर गए थे थार गाड़ी-सुभाष नगर, शालीमार एन्क्लेव निवासी थान सिंह वर्मा किसान हैं। हादसे में उनका बेटा सचिन और भाई अशोक का बेटा हेमंत घायल हुए हैं। हादसे की जानकारी पर परिवार के सदस्य बेटों का इलाज कराने चले गए। थान सिंह ने बताया कि सचिन अपनी थार लेकर गया था। हेमंत पानी का प्लांट चलाता है। सचिन ने 29 नवंबर 2025 को थार गाड़ी खरीदी थी। इसके बाद वह जब भी दोस्तों के साथ कहीं जाता था, अपनी गाड़ी को ले जाता था। हादसे में गाड़ी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।कंपाउंडर था टेढ़ी बगिया का राहुल-हादसे में मरने वाले राहुल राहुल टेढ़ी बगिया के रहने वाले थे। वह कमला नगर में एक क्लीनिक पर कंपाउंडर थे। सक्षम, हेमंत, सचिन और साहिल को जानते थे। घटना की जानकारी से उनके परिवार में भी कोहराम मच गया। परिवार के लोग सहारनपुर के लिए रवाना हो गएजाना था साथ पर बदल दिया प्लान- कमला नगर निवासी शशांक सारस्वत ने बताया कि साहिल, सक्षम और भी दोस्तों से साथ चलने की कह रहे थे मगर नवरात्र होने की वजह से तीन ने जाने से मना कर दिया। इस पर पांच ही दोस्त निकल गए। रात तकरीबन 3 बजे हादसा हो गया। गाड़ी हेमंत चला रहा था। बगल की सीट पर सचिन था। तीनों दोस्त सक्षम, साहिल और राहुल पीछे की सीट पर थे। एयर बैलून खुलने की वजह से सचिन और हेमंत की जान बच गई जबकि पीछे बैठे तीनों की मृत्यु हो गई। रविवार सुबह दिनभर हादसे की चर्चा होती रही।दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर डिवाइडर तोड़कर पलटी थार, तीन दोस्तों की मौत- दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर सहारनपुर के नागल के गांव बेलड़ा जुनारदार के पास गोल चक्कर पर रविवार तड़के तेज रफ्तार थार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराई। इसके बाद थार डिवाइडर को तोड़ते हुए दूसरी तरफ पलट गई। इसमें आगरा निवासी साहिल तिवारी (25), सक्षम उपाध्याय (22) और राहुल कुमार (25) की मौत हो गई, जबकि दो साथी घायल हुए। पांचों दोस्त घूमने के लिए आगरा से मसूरी जा रहे थे। हादसा झपकी आने की वजह से हुआ।हादसा रविवार तड़के करीब चार बजे हुआ। शनिवार रात साहिल तिवारी, सक्षम उपाध्याय, राहुल कुमार, सचिन वर्मा और हेमंत वर्मा आगरा घूमने के लिए मसूरी जाने की बात कहकर घर से निकले थे। रविवार सुबह दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर दिल्ली की तरफ से आ रही उनकी थार गांव बेलड़ा जुनारदार के पास गोल चक्कर पर अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। थार की रफ्तार इतनी तेज थी कि डिवाइडर से टकराने के बाद करीब 20 फीट रेलिंग तोड़ते हुए दूसरी ओर पलट गई। साहिल और सक्षम करीब 40 फीट नीचे खाई में जा गिरे। हादसे के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और सभी को जिला अस्पताल लाया गया। यहां चिकित्सकों ने साहिल, सक्षम और राहुल को मृत घोषित कर दिया। पुलिस की जांच में सामने आया कि थार की रफ्तार अधिक थी। चालक को झपकी आने पर थार अनियंत्रित हुई, जिसकी वजह से हादसा हुआ।

यूपी में पत्रकार का कत्ल!: हापुड़ में विज्ञापन को लेकर मीडियाकर्मी की पीट-पीटकर हत्या, सहयोगियों से भी मारपीट

हापुड़ में आटा मिल में विज्ञापन मांगने गए एक मीडियाकर्मी की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। आरोप है कि उसके सहयोगियों के साथ भी मारपीट की गई। पुलिस ने मामले में दो लोगों को हिरासत में लिया है। साथ ही सीसीटीवी की डीवीआर भी कब्जे में ली है।

उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में मीडियाकर्मी की हत्या का मामला सामने आया है। थाना देहात क्षेत्र के जरौठी रोड स्थित एक आटा मिल में विज्ञापन मांगने गए एक मीडियाकर्मी नसीम और उनके सहयोगियों के साथ मारपीट की गई। आरोप है कि मारपीट से पत्रकार की हालत बिगड़ गई और वह जमीन पर गिर गए।

सहयोगी किसी तरह गाड़ी में डालकर उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। नसीम के दामाद शाहरुख की तहरीर पर चार नामजद समेत पांच लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया है। सीसीटीवी की डीवीआर भी कब्जे में ली है।

दामाद शाहरुख के अनुसार नगर के बुलंदशहर रोड मोहल्ला आवास विकास निवासी नसीम खान एक हिंदी दैनिक समाचार पत्र में काम करते थे। रविवार की दोपहर वह अपने सहयोगी सलाउद्दीन, मोनिका, रिहाना व ड्राइवर मुस्तकीम के साथ जरौठी रोड स्थित एक आटा मिल में विज्ञापन मांगने गए थे

सहयोगियों ने बताया कि विज्ञापन मांगने को लेकर मिल मालिक व नसीम की कहासुनी के बाद मारपीट हुई थी। नसीम की मौत पर परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर उनके परिजन, मोहल्लेवासी व काफी संख्या में पत्रकार भी सीएचसी पहुंच गए। एसपी मधुबन सिंह समेत पुलिस बल अस्पताल पहुंचा और परिजनों को समझाया।

इसके बाद पोस्टमार्टम के लिए शव भेजकर देर रात तक प्रक्रिया पूरी कराकर परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस अधीक्षक मधुबन कुमार सिंह ने बताया कि इस मामले में इंद्रलोक कॉलोनी निवासी अशोक कुमार गुप्ता व उनका पुत्र, कपिल, नरेश और एक अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है, सीसीटीवी कैमरे की जांच कर रहे हैं।

बनी रही गहमागहमी- मीडियाकर्मी की मौत के बाद मामले में देर रात तक गहमागहमी का माहौल रहा। पुलिस ने देर रात ही पोस्टमार्टम सहित सभी कागजी प्रक्रिया रात में ही पूरी कराईं।

बार-बार बेसुध हो रहीं थी पत्नी और बेटियां-नसीम की मौत की सूचना पर सीएचसी पहुंचीं उनकी पत्नी जायदा, बड़ी पुत्री अदीबा व छोटी पुत्री मतंशा रो-रोकर बेसुध हो रहीं थीं। उनके मोहल्ले की ही कुछ महिलाएं उन्हें सांत्वना देते हुए संभालने का प्रयास कर रही थीं। नसीम अपने पीछे पत्नी व दो पुत्रियों को छोड़ गए हैं।

उनकी मौत पर मोहल्ले में भी शोक व्याप्त है। बताया गया कि नसीम की बड़ी पुत्री अदीबा की शादी हो चुकी है। उनकी छोटी पुत्री मतंशा की 14 नवंबर को शादी होनी है। जिला बुलंदशहर से उसकी बरात आनी है। नसीम की मौत से मतंशा की शादी की सारी खुशियां मातम में बदल गईं हैं।

व्यापारी की ओर से तहरीर देने का वीडियो वायरल- इस प्रकरण में एक व्यापारी की ओर से देहात थानाध्यक्ष के नाम तहरीर दिए जाने का प्रार्थना पत्र वायरल हो रहा है। इसमें बताया गया ह

ै कि पांच लोग उसके घर में घुस गए और परिजनों से अभद्रता शुरू कर दी।इसकी सूचना पत्नी ने फोन पर दी तो वह घर पहुंचे लेकिन सभी अपने कागजात छोड़कर भाग गए। हालांकि संवाद न्यूज एजेंसी इस वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करती है। पुलिस का भी दावा है कि इस संबंध में कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है।

भैंस चराने गए वृद्ध पर बाघ का हमला, साथियों की सूझबूझ से बची जान

बाघ के हमले से घायल वृद्ध दो घंटे तक तड़पता रहा। ग्रामीणों ने सूचना के बावजूद वन अमले के न पहुंचने का आरोप लगायापन्ना टाइगर रिजर्व के कोर एरिया से सटे राजस्व क्षेत्र में रविवार सुबह भैंस चराने जंगल गए 60 वर्षीय वृद्ध पर बाघ ने हमला कर दिया। हमले में जरधोवा गांव निवासी मलखान सिंह राजगौड़ के चेहरे, पीठ और घुटने पर गंभीर चोटें आईं। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने साहस दिखाते हुए बाघ पर पत्थर फेंके, जिसके बाद वह भाग गया

और वृद्ध की जान बच गई। घटना के बाद ग्रामीणों में वन विभाग के प्रति आक्रोश है।घायल के पुत्र देवी सिंह ने बताया कि वन्यजीवों के हमले की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि घटना के करीब दो घंटे बाद तक वन विभाग की टीम मौके पर नहीं पहुंची। ऐसे में ग्रामीणों को डायल 112 की मदद से घायल को अस्पताल पहुंचाना पड़ा।ग्रामीणों का आरोप है कि हमले से एक दिन पहले भी यही बाघ जरधोवा गांव के आसपास घूम रहा था। इसकी सूचना वन विभाग को देने के बावजूद टीम मौके पर नहीं पहुंची। ग्रामीणों ने इसे पन्ना टाइगर रिजर्व के प्रबंधन की लापरवाही बताते हुए नाराजगी जताई।पन्ना टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर वीरेंद्र कुमार पटेल ने बताया कि सूचना मिलते ही टीम को रवाना कर दिया गया था। घायल वृद्ध की स्थिति अब स्थिर है। वन विभाग ने तत्काल सहायता के रूप में दो हजार रुपये दिए हैं और इलाज का पूरा खर्च उठाने का आश्वासन दिया है। बाघ को जंगल की ओर खदेड़ने के लिए हाथियों की टीम भी मौके पर भेजी गई है।डिप्टी डायरेक्टर ने बताया कि टाइगर रिजर्व के कोर एरिया से सटा राजस्व क्षेत्र होने के कारण यहां बाघों का विचरण रहता है। ऐसे में चरवाहों और किसानों का जंगली जानवरों से आमना-सामना हो जाता है। उन्होंने कहा कि वन्यजीवों और ग्रामीणों के बीच टकराव रोकने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

कन्या भोज में जा रहे बालक पर कुत्ते ने किया हमला, पैर में दो जगह काटा

बरेली में कुत्तों का आतंक थम नहीं रहा है। बारादरी इलाके के संजय नगर में सोमवार को एक कुत्ते ने नौ साल के बालक पर हमला कर दिया। उसे काटकर घायल कर दिया।बरेली के बारादरी थाना क्षेत्र के संजय नगर में सोमवार सुबह कन्या भोज में शामिल होने जा रहे नौ साल के बालक पर कुत्ते ने हमला कर दिया। कुत्ते ने उसके दाहिने पैर में दो जगह काटकर घायल कर दिया। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोगों ने उसे बचाया। परिजन उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचे, जहां उसका उपचार किया गया। संजय नगर निवासी अरविंद कक्षा दो का छात्र है। उसने बताया कि सोमवार सुबह वह मोहल्ले में आयोजित कन्या बरुआ भोज में शामिल होने जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में एक कुत्ते ने उस पर हमला कर दिया। इससे पहले कि वह कुछ समझ पाता, कुत्ते ने उसके दाहिने पैर में दो जगह काट लिया। स्थानीय लोगों ने कुत्ते से उसे बचाया। घटना के बाद अरविंद ने घर पहुंचकर परिजन को बताया। परिजन उसे एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां उसका उपचार किया जा रहा है। उसके पैर में गहरा घाव हुआ है।

फल विक्रेता की मौत पर परिजनों ने लगाया जाम, पोस्टमार्टम में गोली लगने की पुष्टि

कालपी चौराहे पर फल की ठेली लगाने वाले राजकुमार निषाद (40) की मौत के बाद सोमवार को परिजनों ने शव सड़क पर रखकर जाम लगा दिया। स्टेट हाईवे-91 पर लगे जाम में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल रहीं।

परिजनों ने घटना की निष्पक्ष जांच कर गोली चलाने वाले की पहचान करने, दोषी के खिलाफ कार्रवाई, परिवार के एक सदस्य को नौकरी और आर्थिक सहायता देने की मांग की। मौके पर पहुंची पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी परिजनों को समझाने का प्रयास करते रहे, लेकिन खबर लिखे जाने तक जाम नहीं खुला था।मृतक के चचेरे भाई सुनील कुमार ने बताया कि 16 अक्टूबर की शाम करीब 5-30 बजे राजकुमार कालपी चौराहे पर अपनी फल की ठेली पर बैठे थे। उनकी मां राजकुमारी भी पास में ठेली लगाए थीं। इसी दौरान राजकुमार अचानक नीचे गिर पड़े। शुरुआत में परिजनों को लगा कि उन्हें चक्कर आया है या गिरने से चोट लगी है। उन्हें हमीरपुर के जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर कानपुर रेफर कर दिया गया। उपचार के दौरान 18 अक्टूबर को उनकी मौत हो गई।उन्होंने बताया कि कानपुर में उपचार के दौरान जांच में सिर में गोली होने की जानकारी मिली। पोस्टमार्टम में भी गोली लगने की पुष्टि हुई। घटना के समय आसपास लोग मौजूद थे, लेकिन गोली किसने और किन परिस्थितियों में चलाई, इसकी जानकारी परिवार को नहीं है। परिजन मामले की निष्पक्ष जांच कर गोली चलाने वाले की पहचान और उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।परिजनों ने बताया कि राजकुमार करीब 20 वर्षों से कालपी चौराहे पर फल की ठेली लगाकर परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनकी पत्नी सरोज और चार बच्चे हैं। उनकी मौत से परिवार के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है। इसी को लेकर परिजनों ने परिवार के एक सदस्य को नौकरी और आर्थिक सहायता देने की मांग की। सोमवार को शव हमीरपुर पहुंचने के बाद परिजन उसे कालपी चौराहे पर ले गए और सड़क पर रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। सदर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। एसडीएम अभिषेक कुमार और सीओ यशपाल ने परिजनों से बातचीत कर उन्हें समझाने का प्रयास किया। हालांकि, खबर लिखे जाने तक प्रदर्शन जारी था और जाम नहीं खुला था।एएसपी अरविंद कुमार ने बताया कि उपचार के दौरान कराए गए सीटी स्कैन में मेटैलिक सब्सटेंस की जानकारी मिलने के बाद पैनल गठित कर पोस्टमार्टम कराया गया, जिसमें बुलेट की पुष्टि हुई। घटना के समय गोली चलने या गोली लगने की सूचना स्थानीय थाने को नहीं मिली थी। परिजनों से शिकायत मिलने पर अभियोग पंजीकृत कर नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच
को जिला एवं तहसील स्तर पर
ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन
प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

डिलारी में रावण दहन की तैयारियां पूरी, आज ,होगा रावण का दहन

क्यूँ न लिखूँ सच/ डिलारी, मुरादाबाद। जनपद मुरादाबाद के थाना डिलारी क्षेत्र में दशहरा पर्व को लेकर रावण दहन की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सोमवार को डिलारी स्थित रावण दहन स्थल पर आयोजन को लेकर तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। रावण दहन कार्यक्रम को लेकर क्षेत्र में लोगों के बीच उत्साह का माहौल है। दशहरा पर्व पर बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक के रूप में रावण दहन किया जाता है। इस आयोजन को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की उम्मीद है। रावण दहन की तैयारियां पूरी होने के बाद अब लोगों को कार्यक्रम का इंतजार है। दशहरा पर्व के अवसर पर होने वाला यह आयोजन क्षेत्र में धार्मिक और सांस्कृतिक उत्साह का प्रतीक माना जाता है।

भ्रष्टाचार मुक्त भारत के निर्माण के लिए जनजागरूकता पर जोर

राष्ट्रीय भ्रष्टाचार दमन परिषद की बैठक में 25 अक्टूबर को संभल में संगठन समीक्षा बैठक करने का निर्णय

संभल क्यूँ न लिखूँ सच। राष्ट्रीय भ्रष्टाचार दमन परिषद की बैठक परिषद के प्रशासनिक कार्यालय चामुण्डा कॉलोनी, हल्लू सराय, संभल में आयोजित की गई। इसमें प्रदेश स्तरीय संगठन समीक्षा बैठक की तैयारियों और भ्रष्टाचार उन्मूलन के लिए किए जा रहे प्रयासों पर विचार-विमर्श किया गया। परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष के. के. मिश्र ने कहा कि आजादी के 75 वर्ष बाद भी देश में भ्रष्टाचार की समस्या बनी हुई है। यह गरीबों के उत्थान और राष्ट्र के विकास में बाधक है। उन्होंने कहा कि विभिन्न सरकारी योजनाओं में बिचौलियों के माध्यम से भ्रष्टाचार की शिकायतें सामने आती हैं।

इस पर अंकुश लगाने के लिए सरकारी विभागों में दलालों और निजी कर्मचारियों के प्रवेश पर रोक लगनी चाहिए। योजनाओं के आवेदन ऑनलाइन किए जाने चाहिए तथा ऑफलाइन आवेदन केवल सरकारी कर्मचारियों के माध्यम से स्वीकार किए जाएं। जांच के बाद ही पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ दिया जाना चाहिए। मिश्र ने कहा कि परिषद पिछले तीन दशक से भ्रष्टाचार के विरुद्ध जनजागरूकता के लिए रचनात्मक कार्य कर रही है। विभिन्न जिलों में कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को भ्रष्टाचार के प्रति जागरूक किया जा रहा है। परिषद का उद्देश्य भ्रष्टाचार मुक्त भारत के निर्माण में योगदान देना है। परिषद के सचिव अमित गौतम ने बताया कि संगठन की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक 25 अक्टूबर 2026 को संभल स्थित डीके रिसोर्ट में आयोजित की जाएगी। इसमें सभी जिलाध्यक्षों को अपनी कार्य रिपोर्ट के साथ उपस्थित होना होगा। बैठक में जिलों में संगठन की ओर से किए गए कार्यों की समीक्षा की जाएगी। परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहनवाज संभली ने बताया कि समीक्षा के बाद पदाधिकारियों के कार्यों और सक्रियता के आधार पर उन्हें आगे की जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी। सक्रिय सदस्यों को नई जिम्मेदारियां दी जाएंगी, जबकि निष्क्रिय पदाधिकारियों को हटाने पर विचार किया जाएगा। संगठन को मजबूत बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी किए जाएंगे। बैठक में प्रदेश और राष्ट्रीय कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को आमंत्रित किया गया है। बैठक में के. के. मिश्र, डी. पी. शर्मा, अमित गौतम, शाहनवाज संभली, सुमित शर्मा, मौ. अली, तेजपाल सिंह, इकराम वारसी-नाजिर, सरवर, मुसर्रिफ, जितेन्द्र मिश्रा, रवि गुलाटी, ज्ञानेन्द्र, राकेश लाठिया, सतीश शर्मा, हाजी हाशिम अली, ओम प्रकाश ठाकुर और अंकुर गोयल सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। अध्यक्षता के. के. मिश्र ने की तथा संचालन डी. पी. शर्मा ने किया।

एसएसपी नें साइबर क्राइम पुलिस थाने का उद्घाटन किया

क्यूँ न लिखूँ सच/ जनपद बदायूं में बढ़ते डिजिटल फ्रॉड और ऑनलाइन अपराधों पर लगाम लगाने के लिए आज चित्रांश नगर जनपद बदायूँ में एक नए अत्याधुनिक साइबर क्राइम पुलिस थाने का उद्घाटन किया गया। इस नए थाने का उद्घाटन मुख्य अतिथि एसएसपी सुश्री अंकिता शर्मा द्वारा फीता काटकर और दीप प्रज्वलित कर किया गया।उद्घाटन के दौरान एसएसपी बदायूँ ने कहा, आज के डिजिटल युग में साइबर अपराध एक बड़ी चुनौती बन चुका है। यह नया थाना न केवल अपराधियों को पकड़ने में मदद करेगा, बल्कि आम नागरिकों को जागरूक कर उनके डिजिटल स्पेस को सुरक्षित बनाएगा। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक नगर श्री अभिषेक कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डा0 हृदेश कठेरिया, सहायक पुलिस अधीक्षक/ क्षेत्राधिकारी नगर श्री सुमेध मिलिंद जाधव, प्रतिसार निरीक्षक रिजर्व पुलिस लाइन श्री इंद्रजीत सिहं, प्रभारी निरीक्षक थाना साइबर क्राइम श्री विनोद कुमार वर्धन, प्रभारी निरीक्षक थाना सिविल लाइन श्री हरेन्द्र सिंह , प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली श्री माधो सिंह बिष्ट एवं प्रभारी निरीक्षक महिला थाना श्रीमती ज्योति सिंह के साथ साथ थाना साइबर क्राइम जनपद बदायूँ के अधि0/कर्म0गण उपस्थित विशेषज्ञ टीम– थाने में तकनीकी रूप से दक्ष पुलिसकर्मियों और साइबर विशेषज्ञों की तैनाती की गई है, जो ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी, सोशल मीडिया हैकिंग, और डेटा चोरी जैसे मामलों की कड़ाई से जांच करेंगेआम जनता अब सीधे इस थाने में आकर अपनी शिकायतें दर्ज करा सकती है। साथ ही, यह थाना गृह मंत्रालय के राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल और हेल्पलाइन नंबर 1930 के साथ मिलकर 24×7 काम करेगा आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर– यह नया साइबर थाना नवीनतम फॉरेंसिक टूल्स, डेटा एनालिटिक्स सॉफ्टवेयर और उन्नत तकनीकी उपकरणों से लैस होगा, जो जटिल साइबर मामलों को तेजी से सुलझाने में मदद करेंगे।

नूतन शर्मा ने कन्याओं के चरण छूकर लिया आशीर्वाद , आधी आबादी को बराबरी के हक का दिया संदेश

क्यूँ न लिखूँ सच/ब्यूरो / बरेली। समाजवादी पार्टी द्वारा आयोजित भव्य 'महिला सम्मान समारोह' में आधी आबादी के सशक्तिकरण और सामाजिक न्याय की जोरदार आवाज गूंजी। कार्यक्रम में कन्याओं का तिलक पूजन कर चरण स्पर्श के साथ आशीर्वाद लिया गया। पूर्व जिला उपाध्यक्ष नूतन शर्मा के नेतृत्व में आयोजित इस समारोह में महिलाओं सहित पार्टी कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया।

समारोह में मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष शुभलेश यादव ने कहा कि महिलाएं परिवार और समाज की आधारशिला हैं। समाज की तरक्की इस बात से तय होती है कि वहां महिलाओं को कितना सम्मान, सुरक्षा और बराबरी के अवसर मिलते हैं। उन्होंने सपा की विचारधारा को सामाजिक न्याय और महिला अधिकारों का प्रबल पक्षधर बताया।

अध्यक्षता करते हुए महानगर अध्यक्ष शमीम खां सुल्तानी ने जोर दिया कि महिला सम्मान केवल औपचारिकता न होकर हमारे आचरण का हिस्सा बनना चाहिए। निर्णय लेने की प्रक्रिया और संगठन में महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व मिलना समय की मांग है।आयोजक नूतन शर्मा ने कहा कि महिलाएं घर-परिवार तक सीमित नहीं हैं, वे नेतृत्व और बदलाव की मजबूत ताकत हैं। समारोह को मंडल प्रभारी व शिक्षक एमएलसी जसवीर वाल्मीकि ने भी संबोधित कर कार्यकर्ताओं की निष्ठा और महिलाओं की सक्रियता को संगठन की रीढ़ बताया। जिला कोषाध्यक्ष अशोक यादव के संचालन में चले इस कार्यक्रम में सुरेंद्र सोनकर, दिनेश यादव, रामप्रकाश यादव, राजेश मौर्य, ज़ेनव फ़ातिमा, स्मिता यादव, मनीषा सक्सेना, शशि चंद्र, ममता सागर, कुलबीर सिंह व सोनू पाठक सहित कई प्रमुख नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अलग-अलग पेड़ पर लटके मिले विवाहिता और युवक के शव, प्रेम-प्रसंग में आत्महत्या की आशंका

लखीमपुर खीरी जिले के थाना पढ़ुआ क्षेत्र में सोमवार को बेलवापुरवा गांव के समीप एक विवाहिता और युवक के शव मिलने से सनसनी फैल गई। दोनों के शव अलग- अलग पेड़ पर फंदे से लटके थे। प्रेम प्रसंग में आत्महत्या की आशंका जताई गई है। लखीमपुर खीरी के पढ़ुआ थाना क्षेत्र में बेलवापुरवा गांव के पास सोमवार सुबह खेत में अलग-अलग पेड़ों पर विवाहिता और युवक के शव फंदे से लटके मिले। पुलिस जांच में दोनों के बीच प्रेम-प्रसंग की बात सामने आई है। हालांकि, दोनों ने यह कदम क्यों उठाया, इसकी पुष्टि नहीं हुई है। मृतकों की पहचान बेंचेपुरवा निवासी रामखिलावन की पुत्री रमा (22) और पचासा गांव निवासी श्रीधर के पुत्र जितेंद्र (18) के रूप में हुई। रमा की शादी करीब 18 महीने पहले ग्राम डंडूरी में हुई थी। वह काफी समय से मायके में रह रही थी। परिजनों के मुताबिक, समझाने के बाद भी वह ससुराल नहीं जा रही थी। ग्रामीणों के अनुसार, रमा की बड़ी बहन की ससुराल जितेंद्र के घर के सामने है। इसी वजह से रमा का वहां आना-जाना था। इसी दौरान दोनों के बीच प्रेम-प्रसंग हो गया।रविवार सुबह घर से निकली थी युवती -रमा के पिता रामखिलावन ने बताया कि उनकी बेटी रविवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे बिना बताए घर से निकल गई थी। एक ग्रामीण ने उसे जाते हुए देखा था। तलाश के बावजूद उसका पता नहीं चला। शाम को जितेंद्र के बारे में जानकारी मिलने पर परिजन उसके घर पहुंचे, लेकिन वहां दोनों नहीं मिले। जितेंद्र के पिता श्रीधर ने बताया कि उनका बेटा लखनऊ में कारपेंटर का काम करता था। वह करीब 20 दिन पहले काम करने लखनऊ गया था। रविवार रात आठ बजे उसने फोन कर घर आने की बात कही थी, लेकिन देर रात तक नहीं पहुंचा। परिवार उसके आने का इंतजार कर रहा था। सोमवार सुबह पुलिस से घटना की जानकारी मिली।बेलवापुरवा गांव के उत्तर रामलखन कश्यप के खेत में अलग-अलग पेड़ों पर शव लटके होने की सूचना पर पुलिस पहुंची और शिनाख्त कराई। निघासन के सीओ शमशेर बहादुर सिंह पढ़ुआ थाने के पुलिसकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे। सीओ निघासन शमसेर बहादुर सिंह ने बताया कि मामला प्रथम दृष्टया प्रेम-प्रसंग से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। पुलिस दोनों की मौत के कारणों का पता लगा रही है। रमा के रविवार सुबह घर से निकलने और सोमवार सुबह शव मिलने के बीच के घटनाक्रम की भी जांच की जा रही है।

बेटी के सिर में मारी गोली: बेबस मां चिल्लाती रही, पिता को नहीं आया रहम; मैनपुरी में दिल दहलाने वाली वारदात

मैनपुरी में अपनी मर्जी से शादी करने को लेकर हुए विवाद में पिता ने बेटी के सिर में गोली मार दी। गंभीर हालत में उसे सैफई मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।मैनपुरी में अपनी मर्जी से शादी करने से इनकार करने पर एक पिता ने बेटी को गोली मार दी। गोली बेटी के सिर में फंस गई, जिससे उसकी हालत गंभीर हो गई। जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे सैफई मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। घटना के बाद आरोपी ने पत्नी को भी गोली मारने की कोशिश की, लेकिन वह अन्य बेटियों के साथ कमरे में बंद होकर बच गई। थाना एलाऊ क्षेत्र के दिवनपुर, शांतिनगर निवासी आसिन अपनी बेटी साजिया की शादी अपनी मर्जी से करना चाहता था। जबकि साजिया किसी दूसरे युवक से प्रेम करती थी। इस बात को लेकर करीब डेढ़ महीने से परिवार में विवाद चल रहा था।रविवार दोपहर करीब 1:30 बजे परिवार के लोग सो रहे थे। साजिया दूसरे कमरे में चारपाई पर लेटी हुई थी। इसी दौरान अचानक गोली चलने की आवाज सुनाई दी। साजिया की मां खैरून निशा कमरे में पहुंचीं तो बेटी लहूलुहान हालत में जमीन पर पड़ी थी। पास में ही उसका पिता हथियार लेकर खड़ा था।बेटी की हालत देखकर मां चीखने लगीं तो आरोपी ने उन्हें भी गोली मारने की कोशिश की। किसी तरह बचकर वह अन्य बेटियों के साथ दूसरे कमरे में चली गईं और दरवाजा बंद कर लिया। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। गोली चलने की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल की जांच की और घायल साजिया को जिला अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए सैफई रेफर कर दिया। बताया गया कि गोली उसके सिर में फंसी हुई है। पुलिस ने आरोपी पिता को हिरासत में ले लिया है

संक्षिप्त समाचार

बरेली में हादसा- पेड़ से टकराई बाइक, रामपुर के युवक की मौत, चार महीने पहले हुई थी शादी

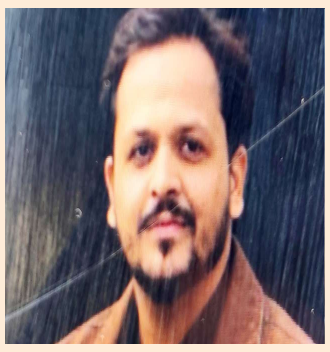

बरेली के शीशगढ़ इलाके में सोमवार सुबह एक सड़क हादसे में साकिब नाम के युवक की मौके पर ही मौत हो गई। उनका 15 वर्षीय भांजा अनस गंभीर रूप से घायल हो गया। रामपुर निवासी मामा-भांजे बाइक से बरेली आ रहे थे। बरेली के शीशगढ़ इलाके में सोमवार सुबह एक बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में बाइक सवार 28 वर्षीय साकिब की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनका 15 वर्षीय भांजा अनस गंभीर रूप से घायल हो गया। रामपुर जिला निवासी दोनों लोग बरेली पासपोर्ट कार्यालय आ रहे थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल में भर्ती कराया और शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। रामपुर जिले के बिलासपुर थाना क्षेत्र के गांव खोधालपुर निवासी साकिब सोमवार सुबह अपने भांजे अनस के साथ बाइक से बरेली के लिए निकले थे। परिवार के मुताबिक, दोनों को पासपोर्ट कार्यालय जाना था। रास्ते में शीशगढ़ क्षेत्र के सहोड़ा अड्डे के पास उनकी बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। साकिब की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अनस गंभीर रूप से घायल हो गया।मोबाइल और दस्तावेज से हुई पहचान- हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल अनस को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। साकिब के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। मृतक की जेब में मिले मोबाइल और दस्तावेजों की मदद से परिजनों को हादसे की जानकारी मिली। सूचना मिलते ही परिवार के लोग जिला अस्पताल की मोर्चरी पहुंच गए।चार महीने पहले हुई थी शादी- साकिब के भाई आरिफ ने बताया कि साकिब एक निजी कंपनी में कैशियर के पद पर नौकरी करते थे। उनकी शादी चार महीने पहले खुशी नाम की युवती से हुई थी। गंभीर रूप से घायल अनस का उपचार चल रहा है।

भाई-बहन को ट्रैक्टर ट्रॉली ने कुचला: इंदिरापुरम में दर्दनाक हादसा, मौके पर 11 साल की दिविषा की मौत

पुलिस ने बताया कि बच्ची और उसका भाई स्कूटी पर सवार होकर घर से बाहर सामान लेने के लिए निकले थे। तभी पीछे से बाजरी भरी आ रहे ट्रैक्टर ट्रॉली ने टक्कर मार दी।यूपी के गाजियाबाद स्थित इंदिरापुरम थाना क्षेत्र के नीतीखंड इलाके में सोमवार दोपहर 2 बजे एक तेज रफ्तार बेकाबू ट्रैक्टर ट्राली ने स्कूटी सवार भाई बहन को टक्कर मार दी। इस हादसे में ट्रॉली के पहिए के नीचे आई 11 वर्षीय बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई जबकि उसका 18 वर्षीय भाई घायल हो गया। स्कूटी पर सवार होकर सामान लेने निकले थे दोनों- घायल को पास के नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, मौके पर पहुंची पुलिस ने बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने बताया कि बच्ची और उसका भाई स्कूटी पर सवार होकर घर से बाहर सामान लेने के लिए निकले थे। तभी पीछे से बाजरी भरी आ रहे ट्रैक्टर ट्रॉली ने टक्कर मार दी। हादसे में बच्ची दिविषा की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक बच्ची इंदिरापुरम के एक निजी स्कूल में सातवीं कक्षा में पढ़ती थी।

घर बैठे जान सकेंगे वोटर अपना मतदान केंद्र और मतदाता सूची में क्रम संख्या, इस वेबसाइट पर मिलेगी जानकारी

उत्तर प्रदेश में विधान परिषद की स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के चुनाव के लिए मतदाता घर बैठे ऑनलाइन मतदान केंद्र और मतदाता सूची में क्रम संख्या जान सकेंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर नाम और जिले के आधार पर जानकारी मिलेगी। मतदान 23 अक्टूबर को सुबह आठ से शाम चार बजे तक होगा।उत्तर प्रदेश विधान परिषद के स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के द्विवार्षिक चुनाव-2026 में मतदाताओं की सुविधा के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने नई व्यवस्था की है। अब मतदाता घर बैठे अपने मतदान केंद्र और मतदाता सूची में क्रम संख्या की जानकारी ऑनलाइन प्राप्त कर सकेंगे। इसके लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश की आधिकारिक वेबसाइट पर सुविधा उपलब्ध कराई गई है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि विधान परिषद के पांच स्नातक और छह शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के लिए 23 अक्टूबर 2026 को मतदान कराया जाएगा। मतदान सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक होगा। मतदाताओं को मतदान केंद्र खोजने में परेशानी न हो, इसके लिए वेबसाइट पर ऑनलाइन जानकारी हासिल करने की सुविधा दी गई है।ऐसे जानें अपना मतदान केंद्र- मतदाता मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट ceouttarpradesh.nic.in पर जाकर अपने मतदान केंद्र और मतदाता सूची में क्रम संख्या की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए ये चरण अपनाने होंगे- आधिकारिक वेबसाइट के होम पेज पर जाएं। हां दिखने वाले "Search your polling station by name for Graduate and Teacher Constituency" पॉपअप पर क्लिक करें। संबंधित स्नातक या शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र और जिले का चयन करें। अपना नाम या संबंधी का नाम दर्ज करें। नाम के प्रथम या द्वितीय हिस्से की जानकारी देकर भी खोज की जा सकती है। कैप्चा कोड भरकर जानकारी प्राप्त करें। इन चरणों को पूरा करने के बाद मतदाता को अपने मतदान केंद्र और मतदाता सूची में क्रम संख्या का विवरण मिल जाएगा। वोट डालने के लिए पहचान पत्र जरूरी- मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदान के समय मतदाताओं को अपना मतदाता फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत करना होगा। आयोग की ओर से निर्धारित वैकल्पिक फोटोयुक्त पहचान दस्तावेजों में से किसी एक के जरिए अपनी पहचान प्रमाणित कर सकते हैं। मान्य वैकल्पिक दस्तावेजों में आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड और भारतीय पासपोर्ट शामिल हैं।

Is your neck hurting from sitting in front of a screen for hours? These simple exercises are a panacea; incorporate them into your routine.

Some simple exercises can help relieve neck pain caused by sitting in front of a screen for hours and poor posture. Neck pain is common due to sitting in front of a screen for hours, or even hunched over while reading. Poor posture and excessive stress can further exacerbate neck pain. If you often suffer from neck pain and want to get rid of it, let's explore some tips for relief. These exercises will provide relief from neck pain - The Global Burden of Disease 2021 report states that approximately 60-80 percent of people experience neck pain at some point in their lives. Some of these people experience pain only to have it recur. Here are several tips to help relieve neck pain: Maintain the correct position - While sitting for long periods is detrimental to health, neck pain isn't caused by sitting for long periods, but rather by incorrect neck position, whether you're standing or sitting. Therefore, it's important to keep your neck moving from time to time. The correct position for the neck is when it's aligned with the spine. Remember to avoid jutting your chin forward or rounding your shoulders. Also, avoid keeping your head in one position. Rotate left and right - For this, sit up straight, and if you have the option of lying on your back, choose that. The next step is to turn your head as far to the right as possible. Hold this position for 2 seconds. You'll feel a stretch on the other side of your neck. Return your neck to the center position and rotate it to the left in the same manner. Repeat this 2-3 times. Exercise for internal neck muscles - First sit straight or lie down on your back. After this, bend your knees while keeping your eyes forward. After this, bend your chin towards the chest. Then, keeping one hand behind your head, lift your head 1 inch above the bed. Now remove your hand and remain in this position as long as possible. Increase muscle endurance - Choose a high-backed chair on which the head can get support. Now, sitting on the chair, keep your eyes towards the front. After this, taking the support of the chair, press your head backwards. Then bring your chin towards the chest. After remaining in this position for some time, return to the normal position.

The desi romance of this Haryanvi folk song outshines DJ songs; the wife wants to woo her husband by wearing a black sari.

Amidst the din of DJs at Haryanvi weddings, this typical desi song still holds its own. A newlywed bride insists her husband buy her a "black sari." The courtyard of the wedding house, the beats of the dholak, women laughing and joking, and a typical desi Haryanvi song echoing amidst all this! While weddings today boast a heavy DJ, when it comes to a newlywed bride insisting her husband buy her a "black sari," this playful folk song still steals the show. The bride demands a black sari from her husband. "A black sari, bring it my love, a black sari... When the black sari blooms, when the tika is on my forehead, my love... When the tika is on my forehead, my love..." The most interesting aspect of this folk song is the bride's innocent request and her outspoken style. She lovingly asks her husband for a black sari. In rural settings, elders often have their own restrictions or beliefs regarding wearing black. However, the bride is more concerned with how beautiful she will look with her husband when she adorns herself in a sari of her favorite color. Romance behind the veil and the restrictions of her in-laws - In ancient times, when veils and strict family rules prevented husbands and wives from speaking publicly, women expressed their suppressed desires and romance through folk songs. Sung among friends and sisters-in-law, this song is how the bride expresses how much her husband loves her, willing to fulfill her every small and big wish, even amidst the nagging of her in-laws. Artists like Sunita Panchal and Preeti Chaudhary played a major role in popularizing this song. From the courtyard dholak to the DJ floor—these songs, sung to unwind after a long day of household chores and to spark fun, are still as popular today. When women sing this song to the beat of the dholak, everyone, from courtyards to the DJ floor of modern weddings, brings a smile to everyone's face and their feet automatically start dancing. This song symbolizes the sweetness of the husband-wife relationship, which never grows old.

The song "Mor Bani Thangat Kare" (Garba) is often mistaken for a Gujarati folk song, but it's actually a Bengali song; its roots lie in Rabindranath Tagore's poem "Nabavarsha."

The Gujarati folk song "Mor Bani Thangat Kare" (Mor Bani Thangat Kare) is actually from the Bengali poet Rabindranath Tagore. You've likely heard "Mor Bani Thangat Kare" in the Bollywood film "Goliyon Ki Raasleela: Ramleela," but did you know that before it became a film song, it was a popular folk song from Gujarat? The most interesting thing is that this song's roots are linked to the world-renowned Bengali writer Rabindranath Tagore. You might be wondering what connection this Gujarati song has with Bengal. Let us tell you its fascinating history. How did a folk song travel from eastern Bengal to western Gujarat? We all know that the cultures of Gujarat and Bengal are so contrasting, yet these two extremes have come together. A famous Gujarati folk song, "Mor Bani Thangat Kare," became a support in this journey between two cultures. This song is adapted from Rabindranath Tagore's poem "Nabavarsha," composed by Tagore during his stay in Silaidaha in 1900. The poem describes the first monsoon rains and the changes they bring to nature. The poem's most beautiful sentiment is when the poet's heart begins to dance like a peacock in joy at the rain. A Gujarati language was given by a Gujarati freedom fighter and writer, Jhaverchand Meghani, a great Gujarati writer, poet, and freedom fighter, translated Tagore's poem into Gujarati. He also holds the title of National Poet of Gujarat. It is said that he first heard this poem during a visit to Tagore's home in 1920. Meghani was so moved by the poem that its lines became deeply ingrained in his mind. As a result, in 1944, Meghani, inspired by "Nabavarsha," composed a new composition, "Mor Bani Thangat Kare." He included this new composition in Gujarati in his poetry collection, "Ravindra-Veena." Renowned Gujarati folk singer Hemu Gadhvi subsequently played a significant role in giving voice to the song and making it accessible to the masses. The sentiment is the same, but the Gujarati style is the same. "Mor Bani Thangat Kare" means that when a peacock is happy, it dances. Like Tagore's poem, it also depicts the joy of the rain. Upon closer examination of this folk song, we find that Meghani not only translated the poem into Gujarati, but also presented it in the bardic style, fully imbuing it with the colors of Gujarati folk culture.

"Neither ghee was found, nor a check..." Saif Ali Khan made a humorous comment on Amitabh Bachchan's show, leaving Kareena in splits.

Saif Ali Khan recently appeared with Kareena Kapoor on Netflix's "The Great Indian Kapil Show." Saif Ali Khan, who appeared on "The Great Indian Kapil Show," shared several funny moments with Kareena Kapoor on the show. The actor was last seen in "Haiwaan." One of B-town's most beautiful couples, Saif Ali Khan and Kareena Kapoor Khan, recently appeared on Kapil Sharma's Netflix show, "The Great Indian Kapil Show." Saif made a comment that had everyone present laughing out loud. Saif Ali Khan's funny tidbit: In September, Saif Ali Khan appeared on the Amitabh Bachchan-hosted show "Kaun Banega Crorepati 18" to promote his film "Haiwaan." During the episode, he was announced to be given two years' worth of ghee as a reward, and his reaction to the reward went viral online. However, Saif has now revealed that he hasn't received either the ghee or the show's check. He recently appeared on Netflix's "The Great Indian Kapil Show," where Kapil Sharma mentioned Saif's recent Instagram entry. He read out a fan's comment, jokingly stating that Saif was so overjoyed at winning two years' worth of ghee on KBC that he finally joined the social media platform. Saif Ali Khan's response won fans' hearts. Kareena Kapoor, who was present on the show with her husband, also joined in the fun, clapping and playfully teasing Saif. To this, Saif jokingly replied, "I just want to clarify one thing. I haven't received the ghee yet, not even my check." Saif Ali Khan's reaction became a meme. In late September, Saif Ali Khan and Akshay Kumar visited the set of "Kaun Banega Crorepati." The two actors were promoting their film "Haiwaan" when show host Amitabh Bachchan announced that if they answered the 10th question correctly, they would receive ghee for two years. Saif's reaction to this became a meme, with fans calling him "Gen-G born in the wrong era." Later, when Saif took to Instagram, people were also seen mentioning this ghee reward in his comments section. Saif Ali Khan's work front: Saif Ali Khan was last seen opposite Akshay Kumar in "Haiwaan," which released in September. He recently made headlines for his Instagram debut. In his first post, he gave fans a glimpse of the Pataudi Library and only follows his family members.

A 6-episode romantic comedy has taken over OTT platforms, garnering strong ratings on IMDb, and an intriguing storyline.

The 6-episode series has taken over OTT platforms as soon as it arrived. This romantic comedy is trending in the top 10. The 6-episode romantic series has taken over OTT platforms with a highly engaging storyline. The 6-episode series has been trending in the top 10. The 6-episode series has taken over OTT platforms, with the storyline trending in the top 10. While OTT releases something new every week, the romantic genre is a popular favorite, and the addition of comedy makes it even more demanding. A series in the romantic comedy genre has recently debuted on OTT platforms, and its engaging storyline is garnering widespread praise. Furthermore, it has quickly taken over the digital platform. The 6-episode series is currently trending in the top 10, garnering strong ratings on IMDb. The series' storyline is intriguing: this six-episode series revolves around a young man who is pressured by his family to get married. But he faces difficulty finding a bride because people judge him based on his physical appearance. He moves to Hyderabad to pursue a career and gets a job in a corporate office. His boss is the same woman his family had arranged a marriage with. After finding out, they decide to live in a relationship without informing anyone at the office. Will true love blossom between them? Or will their live-in relationship idea fail? This will only be revealed after watching the series. Romantic Comedy Trending in Top 10 - Directed by Babu Degala and starring Harsha Chemudu, the romantic-comedy web series "Least Eligible Bachelor" is trending in Netflix's Top 10 trending list. The series streamed on October 9 and has a rating of 7.8 on IMDb. About Least Eligible Bachelor - This 6-episode series is full of comedy and romance. Directed by Babu Degala, the film also stars Harsh Chemudu along with Aishwarya Holakkal and Jeevan Kumar.

"Lessons learned from Hanuman Ansh..." Anshuman Jha is coming up with a film dedicated to Lord Hanuman, and he has no fear of box office success.

The actor, director, and producer is bringing "Halakbagha 2," scheduled for release this Diwali weekend. Anshuman Jha discusses the success of "Halakbagha Ansh": Why doesn't the actor want to do commercial films? Why did he make a sequel to "Halakbagha"? Anshuman Jha, the actor behind films like "Bakrapur," "Chauranga," and "No Father in Kashmir," is also actively involved in film production and direction. He prefers to make and direct films that he himself, as an audience, would want to see. He has produced "Halakbagha 2: The Monkey Business," a sequel to the 2023 film "Halakbagha." Anshuman has also directed the film. While the previous film "Halakbagha" wasn't as successful at the box office, he still managed to make "Halakbagha 2." Regarding why a sequel to Hyena was made, Anshuman says, "Hyena was never conceived as a standalone film. We always envisioned it as a trilogy franchise. We're trying to create a universe of stories for animal lovers. It's the story of an ordinary man who is adept at martial arts. This story shows that if you fight for the voiceless, God is with you. We're seeing a lot of people showing off their cinematic grosses these days. The showoff should be about the films, not the figures. When I was growing up, I didn't know how much a film made. I only knew which films were good and which weren't. The same was true for Hyena; everyone who saw it liked it, whether they were animal lovers or not. The film is dedicated to Lord Hanuman. When it released on Zee5, it received 135 million views. This boosts our confidence." According to the formula for first weekend earnings in our industry, the makers of Hanuman Ansh should have been disappointed, but they continued with promotion. Look what happened next: the film made history. Our film, Hyena 2, also talks about the Yaqui monkey, which is now on the verge of extinction. In a way, our film is also dedicated to Lord Hanuman.' Anshuman's film has been selected for premiere at the Razor Reel Flanders Film Festival, a film for action films held in Belgium. He says, 'Very few such films are made in our country, and even if they are made, they don't reach the international level. We made a film on Asian martial arts, which has previously been screened at several other prestigious platforms, including the Cannes Film Festival. Now, the film has been selected for the Razor Reel Flenders Film Festival, which is a proud moment not only for the film but for the entire country. Why Anshuman stays away from commercial films: Anshuman, who has starred in films like "No Father in Kashmir" and "Hari Ka Om," says about his distance from commercial masala films, "I want to do work that, when I look back 30 years later, I'll be proud of myself for having done something different. If I get commercial masala films in the future, I'll definitely do them. That's why, in the films I make, I try to incorporate what I've learned from theater and my mentors over the past 20-22 years. I'm in my own league, following my own path. I don't care what others are doing. I don't like profanity, so I try to stay away from such things."